हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 295, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 14 अप्रैल, 2022 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

वर्ष 2027 में पूरा होगा बुलेट ट्रेन का सपना, सूरत बिलिमोरा रूट पर 2026 से ट्रायल रन होगा शुरु

2024 तक बापी, बिलिमोरा, सूरत और बरुच के बीच बुलेट ट्रेन के 12 स्टेशन हो जायेंगे तैयार

नई दिल्ली। भारत में बुलेट ट्रेन का इंतजार खत्म हो गया है। साल 2027 से भारत में बुलेट ट्रेन दौड़ती नजर आएगी। अगले साल 2023 में सूरत में पहला बुलेट ट्रेन स्टेशन का उद्घाटन किया जाएगा। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के चेयरमैने और मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश अग्निहोत्री ने कहा है कि सूरत और बिलिमोरा के बीच 2026 में बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन शुरू होगा और 2027 से लोगों के लिए बुलेट ट्रेन सर्विस शुरू हो जाएगी। सूरत से बिलिमोरा की दूरी पचास किलोमीटर है जिसपर सबसे पहले बुलेट ट्रेन चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक 2024 तक बापी, बिलिमोरा, सूरत और बरुच के बीच बुलेट ट्रेन के 12 स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक इन चार स्टेशनों के अलावा 237 किलोमीटर के ट्रैक को तैयार किया जा रहा है जिसके लिए अलग तरह के पुल और सपोर्टिंग कॉलम बनाए जा रहे हैं। जापान के राजनेयिक सातोशी सुजुकी के मुताबित 'हमारी प्राथमिकता इस रूट को पूरा कर बुलेट ट्रेन को शुरू करना है। इसकी मेंटेनेंस और अपडेटेड टेकनोलॉजी

देने का वादा जापान ने किया है। हम भारत को जापान से बेहतर हमारी लेटेस्ट टेकनोलॉजी ईसी शिनकनसेन देंगे।

जलवायू और प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए हम भारत को अपनी टेकनोलॉजी का एडवांस वर्जन देंगे। अधिकारियों के मुताबिक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर 125 किलोमीटर लंबे पाइल्स, पाइल्स कैप, ओपन फाउंडेशन, वेल फाउंडेशन, पाइर्स, पाइर्स कैप को बनाने का काम चल रहा है। सूरत डिपो में 128 फाउंडेशन में से 118 फाउंडेशन बना लिया गया है। इसके अलावा इस साल अगस्त तक साबरमती इंटीग्रेटेड हाई स्पीड रेल, मेट्रो, बस रेपिड ट्रांसिज, पैसेंजर टर्मिनल हब और दो रेलवे स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे। पहली बुलेट ट्रेन के कुछ डिब्बे जहाज के जरिए लाए जाएंगे वहीं कुछ डिब्बों को यहीं भारत में जोड़कर बनाया जाएगा। सतीश अग्निहोत्री के मुताबिक ये टेकनोलॉजी क्रैश एवॉइडेंस सिस्टम पर आधारित होगी जिसमें लेटेस्ट सिग्नल होंगे। कोच के डिजाइन को ऐसा रखा जाएगा जिससे ये ट्रेन एक्सिडेंट फ्री हो। बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी। अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन का परिचालन होगा। 508 किलोमीटर लंबी इस लाइन पर 12 स्टेशन होंगे जिनमें से आठ गुजरात और चार स्टेशन महाराष्ट्र में होंगे।

कनाडा के समुद्र में गुजरात के दो भाई डूबे, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

मेहसाणा। उत्तरी गुजरात के मेहसाणा में रहनेवाले बारोट परिवार के लिए कनाडा से दुःखद खबर आई है पढ़ाई के लिए कनाडा गए बारोट परिवार के दो बेटे समुद्र में डूब गए, जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर बताई गई है खबर मिलने के बाद माता-पिता कनाडा के लिए रवाना हो गए हैं जानकारी के मुताबिक मेहसाणा निवासी हर्षिल बारोट और जरीन बारोट नामक दो भाई पढ़ाई के लिए कनाडा गए थे हर्षिल और जरीन फोटोशूट के लिए कनाडा के पोगिज कोव लाउट हाउस क्षेत्र में गए थे कनाडा का यह मशहूर सेल्फी पॉइंट है जहां सेल्फी लेते समय हर्षिल बारोट का पैर फिसल गया और वह समुद्र में डूबने लगो हर्षिल को बचाने के लिए जरीन ने भी समुद्र में छलांग लगा दी हर्षिल को बचाने के प्रयास में जरीन भी डूबने लगो इस घटना में हर्षिल की समुद्र में डूबकर मौत हो गई।

माता वैष्णो के यात्रियों को कटरा से अर्धकुआंरी तक मिलेगी रोपवे की सुविधा

जम्मू। माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी है। श्री माता वैष्णों देवी श्राइन बोर्ड की बैठक में एक अहम फैसला लिया जिससे अब भक्तों को यात्रा में परेशानी नहीं होगी। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के गवर्नर मनोज सिन्हा ने कहा कि वैष्णों देवी में कई आधुनिक सुविधाएं जैसे स्काई वॉक, नया दुर्गा भवन, आध्यात्मिक थीम पार्क, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन के साथ-साथ कटरा से अर्धकुआंरी तक रोपवे की सुविधा मिलेगी। मनोज सिन्हा के मुताबिक हर साल देश-विदेश से माता वैष्णो देवी के दर्शन करने आने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। मनोज सिन्हा ने माता वैष्णों देवी मंदिर से जुड़े सभी प्रोजेक्ट का रिव्यू किया और नए दुर्गा भवन को जल्द से जल्द बनाने का निर्देश दिया। भवन पर भीड़ जमा होने से रोकने के लिए 9।89 करोड़ की लागत से यात्रा यूनिक मैनेजमेंट (स्काईवॉक) बनाया जाएगा। मनोज सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि माता वैष्णों देवी कटरा से अर्धकुआंरी तक रोपवे की सुविधा शुरू होने से बहुत से यात्रियों खास तौर पर बुजुर्ग यात्रियों को काफी सुविधा हो जाएगी। इसके अलावा स्थानीय व्यापारियों को भी इसका काफी फायदा मिलेगा। वर्तमान में अभी माता वैष्णो देवी भवन से भैरो मंदिर तक रोपवे की सुविधा है।

आजम के समर्थन में इस्तीफा : सपा नेता ने कहा-परिवार समेत जेल में डाल दिया, लेकिन खामोश रहे अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी में बगावत के सुर तेज होते जा रहे हैं। सपा के कुछ नेता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से नाराज चल रहे हैं। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां के समर्थन में सपा के एक बड़े नेता ने इस्तीफा दे दिया है। एक पत्र लिखकर उन्होंने अखिलेश यादव गंभीर आरोप भी लगाए हैं।

सुल्तानपुर विधानसभा सीट से सचिव सलमान जावेद राइन ने अखिलेश यादव मुसलमानों के लिए न बोलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा नेताओं पर हो रही कार्रवाई पर भी अखिलेश यादव ने मौन साध रखा है, उनकी चुप्पी की वजह से ही वह इस्तीफा दे रहे हैं। सलमान जावेद के पत्र के अनुसार, आजम खां को परिवार सहित जेल में डाल दिया। नाहिद हसन को जेल भेज दिया गया। विधायक शलजिल इस्लाम का पेट्रोल पंप गिरा दिया और एनओसी रद्द कर दी गई। इतना होने के बाद भी अखिलेश यादव चुप हैं, उन्होंने आगे लिखा कि जो कायर नेता अपने विधायकों के लिए आवाज नहीं उठा सकता वो आम आदमी के लिए क्या आवाज उठाएगा?

आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां ने दिया था बड़ा बयान- हाल ही में सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां ने बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि क्या यह मान लिया जाए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सही कहते हैं कि अखिलेश जी आप नहीं चाहते कि आजम खां जेल से बाहर आएं? हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष को हमारे कपड़ों से बदबू आती है।

दरअसल, आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां रविवार को रामपुर में एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसमें उन्होंने आजम खां का जिक्र किया। कहा कि जेल में बंद आजम खां के जेल से बाहर न आने की वजह से हम लोग सियासी रूप से यतीम हो गए हैं। हम कहां जाएंगे, किससे कहेंगे और किसको अपना गम बताएं? हमारे साथ तो वो समाजवादी पार्टी भी नहीं है, जिसके लिए हमने अपने खून का एक-एक कतरा बहा दिया। हमारे नेता मोहम्मद आजम खां ने अपनी जिंदगी सपा को दे दी, लेकिन सपा ने आजम खां के लिए कुछ नहीं किया। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष को हमारे कपड़ों से बदबू आती है। मुसलमानों की तरफ इशारा करते हुए फसाहत ने कहा कि क्या सारा ठेका अब्दुल ने ले लिया है? वोट भी अब्दुल देगा और जेल भी अब्दुल जाएगा? अब्दुल बर्बाद हो जाएगा। घर की कुर्की हो जाएगी। वसूली हो जाएगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष के मुंह से एक शब्द नहीं निकलेगा। हमने आपको और आपके वालिद को मुख्यमंत्री बनाया। हमारे वोटों की वजह से आपकी 111 सीटें आई हैं। आपकी तो जाति ने भी आपको वोट नहीं दिया। लेकिन, फिर भी मुख्यमंत्री आप बनेंगे और नेता विपक्ष भी आप बनेंगे। कोई दूसरा नेता विपक्ष भी नहीं बन सकता।

कुशीनगर में नाव पलटने से दस लोग डूबे, अब तक तीन युवतियों के शव मिले, राहत कार्य जारी

कुशीनगर। कुशीनगर के खड्डा इलाके में बुधवार सुबह नारायणी नदी में महिला मजदूरों से भरी नाव पलट गई। नाव पर सवार नौ महिलाओं समेत सभी 10 लोग डूब गए। नदी में मछली मार रहे मछुआरों

ने सात को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि तीन युवतियां लापता हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही जिले के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एक घंटे की मशक्कत के बाद तीनों का शव मिला। इसकी जानकारी होते ही गांव में चीख पुकार मच गई। नाव पर सवार महिला मजदूर नदी उस पार गेहूं की कटाई करने जा रहीं थीं। डीएम, एसपी व विधायक ने मौके पर पहुंच घटना की जानकारी ली। पुलिस शवों को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना का कारण नाव में छेद होना बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि गांव बोधी छपरा निवासी मिश्री निषाद का नारायणी नदी उस पार गांव बलुइया रेता में खेत है। खेत में गेहूं की फसल तैयार है। छितौनी के टोला पथलहवा निवासी नौ महिला मजूदरों संग सुबह आठ बजे वह गेहूं की कटाई कराने नाव से नदी उस पार जा रहे थे। बीच नदी में नाव में छेद के चलते पानी भर जाने से अचानक पलट गई। इससे सवार सभी डूबने लगे। यह देख नदी किनारे मछली मार रहे आधा दर्जन मछुआरे साहस दिखाते हुए नदी में कूद गए और डूबते लोगों में 16 वर्षीय कुमकुम, 55 वर्षीय सुरमा देवी, 16 वर्षीय हुस्नआरा, 16 वर्षीय रबिया, 18 वर्षीय नूरजहां, 16 वर्षीय गुलशन निवासी पथलहवा तथा 45 वर्षीय मिश्री निषाद सहित सात को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। काफी तलाश के बाद भी 18 वर्षीय गुड़िया, 35 वर्षीय आसमां व 18 वर्षीय सोनिया निवासी पथलहवा का पता नहीं चला। एक घंटे की मशक्कत के बाद नदी के बीच शैवाल में फंसे तीनों का शव मिला। शव बरामद होने की खबर मिलते ही गांव में चीख-पुकार मच गई। अधिक संख्या में गांव के लोग नदी किनारे एकत्रित हो गए। पंचानामा बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया।

राज ठाकरे का उद्धव सरकार को अल्टीमेटम 3 मई तक बंद कर दें मस्जिदों में लाउडस्पीकर

नई दिल्ली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने मंगलवार को राज्य सरकार को फिर से चेतावनी देते हुए कहा है कि वह मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा दे। इस बार उन्होंने ठाकरे सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि उन्हें 3 मई तक मस्जिदों में लाउडस्पीकर बंद कर देना चाहिए। ठाकरे ने इस मुद्दे को एक सामाजिक मुद्दा बताया और कहा कि वह इस विषय पर पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने शिवसेना सरकार को यह कहते हुए चुनौती दी वह 'जो करना चाहे कर लें' लेकिन वे पीछे नहीं हटेंगे। मनसे प्रमुख ने कहा, "मस्जिदों में लाउडस्पीकर 3 मई तक बंद हो जाना चाहिए, नहीं तो हम स्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाएंगे। यह एक सामाजिक मुद्दा है, धार्मिक नहीं। मैं राज्य सरकार से कहना चाहता हूं, हम इस विषय पर पीछे नहीं हटेंगे, आपको जो करना है कीजिए।" हाल ही में महाराष्ट्र में गरमाए लाउडस्पीकर विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा था कि राज्य सरकार अदालत के आदेश पर चर्चा करेगी और इस बारे में गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल से बात करेगी। इस पर राज ठाकरे ने पवार को नास्तिक कहा, जो "किसी धर्म को नहीं मानते। इस मुद्दे पर बहस तब छिड़ गई जब राज ठाकरे ने राज्य सरकार से मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए कहा और "मस्जिदों के सामने लाउडस्पीकर लगाने और हनुमान चालीसा बजाने" की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, "मैं नमाज के खिलाफ नहीं हूं, आप अपने घर पर नमाज पढ़ सकते हैं, लेकिन सरकार को मस्जिद के लाउडस्पीकरों को हटाने का फैसला लेना चाहिए। मैं अभी चेतावनी दे रहा हूं।" इसके अलावा, राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुंबई के मुस्लिम इलाकों में मस्जिदों पर छापा मारने की भी अपील की और कहा कि वहां रहने वाले लोग "पाकिस्तानी समर्थक" हैं।

करौली बॉर्डर पर रोकी गई भाजपा की न्याय यात्रा तेजस्वी, सतीश पूनिया सहित 400 कार्यकर्ता गिरफ्तार

करौली। करौली हिंसा को लेकर भाजयुमो और भाजपा नेताओं की न्याय यात्रा को करौली बॉर्डर पर रोक दिया गया। जिसके बाद कार्यकताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। हालात काबू करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या और प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सहित 400 कार्यकताओं को गिरफ्तार कर महुआ थाने ले जाया गया है।

यात्रा को रोकने से आक्रोशित सतीश पूनिया, सासंद रंजीता कोली, सांसद मनोज राजौरिया सड़क पर ही धरने पर बैठ गए थे। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने गहलोत सरकार को चेतावनी दी थी कि उन्हें अगर जाने नहीं दिया गया तो यहीं पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। सूर्या ने कहा कि हर कीमत पर करौली जाएंगे, नहीं तो सामूहिक रूप से गिरफ्तारियां देंगे।

इस दौरान 'गहलोत हमसे डरता है' और 'जय श्री राम' की जमकर नारेबाजी हुई। भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है। मौके पर तीन लेयर बैरिकेड्स लगाया गया है। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकताओं से समझाइश करने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। पुलिस पक्ष का कहना है कि अगर सरकार इजाजत देती है, तभी जाने देंगे। तेजस्वी सूर्या ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम जहां अभी हैं, वहां धारा 144 लागू नहीं है। करौली जाना हमारा संवैधानिक अधिकार है। यह तानाशाही सरकार हमारे अधिकारों को छीन रही है, इसलिए हम विरोध कर रहे हैं।' इधर, राज्यपाल कलराज मिश्र ने करौली हिंसा को लेकर डीजीपी एमएल लाठर को तलब किया है। उन्होंने मामले की जांच पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि करौली हिंसा को लेकर प्रदेश में दो अप्रैल से सियासत गरमाई हुई है। भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे पर तुष्टीकरण के आरोप लगाए हैं।

भारत को जी-7 बैठक से दूर रख सकता है जर्मनी!

नई दिल्ली। जर्मनी 26 से 28 जून तक ग्रुप-7 देशों की बैठक करने वाला है, लेकिन इससे भारत से दूर रखने पर विचार कर रहा है। जानकारी के मुता?बिक यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफ न बोलने पर वह भारत से नाराज है। सूत्रों ने कहा कि जी-7 बैठक में जर्मनी सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया को शामिल करने पर विचार कर रहा है। दरअसल मेहमानों की सूची यूक्रेन पर हमले से पहले ही तैयार की गई थी, जिसमें भारत भी था लेकिन अब इस सूची को लेकर विचार किया जा रहा है। हालांकि इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में जर्मन सरकार के हवाले से दावा किया गया है कि भारत को लेकर ऐसा कोई विचार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में रूस को मानवाधिकार परिषद से बाहर करने का प्रस्ताव लाया गया था। इस प्रस्ताव पर वोटिंग से भारत समेत 50 देशों ने दूरी बना ली थी। इसके अलावा भारत ने रूस पर प्रतिबंध भी नहीं लगाए हैं। यही नहीं सस्ता तेल भी बड़े पैमाने पर खरीदने की योजना पर काम कर रहा है। रूस से बड़े पैमाने पर हथियारों की खरीददारी भी भारत करता रहा है। हाल ही में एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद भी भारत ने रूस से की है। ब्लूमबर्ग से बातचीत में जर्मन सरकार के प्रवक्ता स्टेफेन हेबेस्ट्रेट ने कहा कि जल्दी ही जी-7 की गेस्ट लिस्ट फाइनल की जाएगी। उन्होंने कहा कि चांसलर कई बार दोहरा चुके हैं कि जर्मनी के ज्यादा से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय साझेदार रूस के खिलाफ पाबंदियां लगाएं। भारत सरकार की ओर से अब तक इसे लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि जर्मनी खुद यूक्रेन और पोलैंड की आलोचना झेल रहा है। दरअसल जर्मनी की ओर से लगातार रूस से तेल और गैस का आयात जारी है। जर्मनी समेत कई यूरोपीय देशों की रूस पर निर्भरता है। इसकी ओर से भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इशारा किया था। उन्होंने भारत की ओर से रूस से तेल का आयात करने के सवाल पर कहा था कि हम जितना इंपोर्ट एक महीने में करते हैं, उतना तो यूरोप एक दोपहर में कर लेता है।

प्रक्षेपण को सस्ता बनाने के लिए जल्द रीयूजेबल रॉकेट लांच करेगा इसरो

बेंगलुरु। अब तक अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान एक ही बार प्रयोग में लाए जा सकते थे। इससे अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण बहुत ज्यादा खचीर्ला हो जाता था। पर्यटन उद्योग की संभावनाओं के देखते हुए अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रक्षेपण को सस्ता बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं और अब इसके नतीजे भी मिलने लगे हैं। अब दुनिया के कई अंतरिक्ष कंपनियों सहित कई देश भी फिर से उपयोग किए जा सकने वाले प्रक्षेपण यान पर काम कर रहे हैं और यह अब हकीकत बन चुके हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान इसरो भी इस तकनीक पर काम कर रहा है। अब वह इसके लिए प्रदर्शन उड़ान और कक्षा के लिए प्रक्षेपण की योजना बना रहा है। इसरो के इस कदम से साफ है वह अब दूसरे देशों और स्पेस एंजेसी से पीछे नहीं रहना चाहता है जिनसे उसकी प्रतिस्पर्धा चल रही है। इस प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम का मकसद व्यवसायिक अंतरिक्ष के क्षेत्र को साधना है। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा कि रीयूजेबपल व्हीकल केवल व्यवसायिक क्षेत्र के लिए ही नहीं बल्कि रणनीतिक क्षेत्र के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। सोमनाथ ने बताया

कि भविष्य में किस तरह के लॉन्च व्हीलकल बन सकते हैं और लॉन्चर की लागत को कैसे कम की जा सकती है। फिलहाल एक प्रक्षेपण की कीमत 20 हजार डॉलर प्रति किलोग्राम है। इसे 5 हजार डॉलर तक लाने की जरूरत है। यह तभी संभव है जब हम राकेट को फिर से उपयोग में लाने लायक बना सकें। इसरो पंखयुक्त फिर से उपयोग किए जाने वाले इससे भारत भी अंतरिक्ष में अपने पेलोड भेजकर वापस सुरक्षित ला सकेगा। उन्होंने बताया कि जल्दी ही लैंडिंग के लिए एक प्रदर्शन किया जाएगा। जो एक कक्षा प्रक्षेपण के प्रदर्शन के बाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसरो यह भी पड़ताल कर रहा है प्रक्षेपण यान तकनीक विकसित कर रहा है जो हाइपरसॉनिक उड़ान, स्वायत्त लैंडिंग, संचालित क्रूज उड़ान और हाइपरसोनिक उड़ान वायुश्वसन प्रणोदन जैसी तकनीकों में काम आएगी। इसरो अपने तकनीक प्रदर्शन कार्यक्रम में कई तरह की प्रयोगात्मक उड़ानों पर की श्रृंखला चलाएगा जिसमें हाइपरसॉनिक उड़ान प्रयोग (एचईएक्स), लैंडिंग प्रयोग (एलईएक्स), वापसी उड़ान प्रयोग (आरईएक्स) और स्क्रैमजेट प्रणोदन प्रयोग (एसपीईएक्स) शामिल होंगे। फिर से उपयोग की जा सकने वाले प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी प्रदर्शन (आरएलवी-टीडी) प्रौद्योगिकी प्रदर्शन अभियानों की श्रृंखला है। इन्हें दो चरण से कक्षा (टीएसटीओ) में पूरी तरह से फिर से उपयोग किए जा सकने वाले वाहन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। सोमनाथ ने कहा मान लीजिए कि हम रीयूजेबल रॉकेट बनाते हैं और उसे साल में केवल एक या दो बार ही प्रक्षेपित करते हैं। ऐसे में यह किफायती नहीं रहेगा। वास्तव में यह और महंगा हो जाएगा। इसलिए हमें पहले इसके लिए पृष्ठभूमि तैयार करनी होगी जिसमें रीयूजेबल रॉकेट की जरूरत होगी।

राजस्थान में करौली हिंसा के बाद पलायन को मजबूर हिंदू समुदाय

जयपुर। रामनवमी और नवसंवत्सर पर देश के कई राज्यों में हिंसा, पथराव और आगजनी के मामले सामने आए। दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में साम्प्रदायिक तनाव देखने को मिला। इन घटनाओं में कई लोग घायल भी हुए। राज्यों में हुई हिंसा के मामलों में पुलिस की कड़ी कार्रवाई जारी है। अब तक गुजरात, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों से कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसके अलावा एमपी में हिंसा में शामिल आरोपियों के घरों और दुकानों को भी जमींदोज कर दिया गया है। जयपुर राजस्थान के करौली में नवसंवत्सर (दो अप्रैल) को हिंदू संगठनों की बाइक रैली पर हुए पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण है। इस बीच मुस्लिम बहुल इलाकों से हिंदू अपने घर और दुकान बेचकर दूसरी जगह पलायन कर रहे हैं। दो घरों और कुछ दुकानों पर तो एक वर्ग विशेष के लोगों ने कब्जा कर लिया है। वहीं कई जगह हिंदूओ ने घरों और दुकानों के बाहर संपत्ति बिकाऊ के बोर्ड लगा दिए हैं। एक वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में लोग अपना घर और दुकान छोड़कर या तो करौली में ही दूसरी जगह रहने लगे हैं या फिर ताला लगाकर दूसरी जगह चले गए हैं। इन लोगों को वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पलायन करने वालों में जाटव, खटीक, धोबी और कुमावत समाज के लोग शामिल हैं। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया करौली का दौरा करेंगे। राज्य सरकार में पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने पलायन की बात को गलत बताते हुए कहा कि यह अफवाह फैलाई जा रही है। हिंदुओं का पलायन नहीं हुआ है। वहीं भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने 195 ऐसे लोगों की सूची प्रशासन को सौंपी है, जिन्होंने अब तक पलायन किया है।

चिंतन मनन

पीएम मोदी की बधाई

शाहबाज शरीफ के पाकिस्तान के नए पीएम बनने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है और कहा है कि भारत आतंक मुक्त क्षेत्र, शांति और स्थिरता चाहता है ताकि हम अपनी विकास चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन और नरेंद्र मोदी के बधाई संदेश के गहरे मायने निकाले जा रहे हैं। भारत को शरीफ भाइयों और जनरल बाजवा के इरादों पर इमरान खान सरकार से अधिक भरोसा है। शरीफ भाई और बाजवा चीन से संबंध को लेकर संबंधों में विविधता लाना चाहते हैं। मोदी ने शाहबाज के पीएम बनने के मिनटों बाद उन्हें बधाई दी। यह उस पॉइंट को फिर से जोड़ सकता है जब मोदी और नवाज के बीच बातचीत अटक गई थी। जियो पॉलिटिकल हालात को देखते हुए दोनों देशों को संबंध सामान्य करने की जरूरत है। भारत का विरोधी चीन अभी भी पाकिस्तान के बेहतर सहयोगी होने से बहुत दूर है। यूक्रेन पर रूसी हमलों के बाद पाकिस्तान के पास गिने-चुने विकल्प हैं। पाकिस्तान में चीन के बढ़ते असर को देखते हुए रावलपिंडी और इस्लामाबाद गंभीर है और आर्थिक संबंधों में विविधता लाना चाहता है। इस पर दोनों देश बिना किसी विवाद से आगे बढ़ सकते हैं। कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की अलग-अलग धारणाएं हैं और यही कारण है कि दोनों देश अपने मूल हितों को ध्यान में रखते हैं। ऐसे में बहुत उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। पाकिस्तान अगर धारा 370 पर बात करना चाहता है तो भारत के नजरिए से संबंध सामान्य नहीं हो सकते हैं। हालांकि घाटी में डेमोग्राफी चेंज जैसी बातों पर भारत पाकिस्तान को भरोसा दे सकता है लेकिन बदले में भारत पाक के कब्जे वाले इलाके में आतंकी शिविरों आदि पर पूरी तरह से रोक चाहेगा। गलवान में हुए हिंसक संघर्ष के बाद से पाकिस्तान सेना प्रमुख ने जनरल कमर जावेद बाजवा ने संयम दिखाया है। पाकिस्तान इस मौके का फायदा उठाने का कोशिश कर सकता था किन ऐसा कुछ नहीं हुआ और भारत ने इसे नोट किया है। शाहबाज शरीफ कई दलों को लेकर साथ चल रहे हैं ऐसे में वह अगले चुनाव तक पीएम बने रहें यह उनके लिए आसान नहीं रहने वाला। इसके साथ ही काबुल में तालिबान, पाकिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान के बढ़ते असर, इमरान खान का सड़क पर विरोध-प्रदर्शन आदि को देखते हुए बहुत आशावादी होना ठीक नहीं है। हालांकि, एक सच यह भी है कि 2019 में भारत द्वारा जम्मू और कश्मीर से आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने के बाद शाहबाज शरीफ ने इसकी निंदा करते हुए कहा था कि भारत का यह स्टैंड यूनाइटेड नेशंस के खिलाफ युद्ध की घोषणा है। अब शाहबाज शरीफ पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने 11 अप्रैल को पीएम पद की शपथ लेने के बाद संसद में करीब आधे घंटे का भाषण दिया। इस भाषण में उन्होंने पाकिस्तान की राजनीति और मसलों पर बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने भारत को लेकर भी बात की। उन्होंने कश्मीर मसले पर भी अपना स्टैंड रखने की कोशिश की। शरीफ ने कहा है कि हम बदकिस्मती से भारत से बेहतर संबंध नहीं बना सके। नवाज शरीफ ने भारत से बेहतर संबंध चाहा था। उन्होंने आगे कहा कि हम भारत से बेहतर संबंध चाहते हैं लेकिन मसला-ए-कश्मीर को हल किए बिना अमन कायम नहीं हो सकता। हम कश्मीरियों के लिए हर फोरम पर आवाज उठाएंगे। राजनयिक स्तर पर काम करेंगे। उन्हें सपोर्ट देंगे। वे हमारे लोग हैं। मैं पीएम मोदी को यह सलाह दूंगा कि आप समझें कि दोनों ओर गरीबी है, बेरोजगारी है। हम अपना और अपने आने वाले नस्लों का नुकसान क्यों करना चाहते हैं? आइए कश्मीर मसले को कश्मीरियों के उमंगों के मुताबिक तय करें। भारत और पाकिस्तान खुशहाली लेकर आएं।

जाता कुछ पैगाम ?

लापरवाही ठीक नहीं ।
जो करते हैं काम ।।
जान कर ये बातें ।
जाता कुछ पैगाम ?
मौज में हैं अफसर ।
आई खुल कर बात ।।
पर उनको इसकी ।
है मिलनी सौगात ?
आतीं बाहर बातें ।
लाभ पर मिल पाता ?
अकर्मण्यता से लेकिन ।
जुड़ा आखिर नाता ।।
आदत लगातार ये ।
बन रही बलवान ।।
है गिरना स्वाभाविक ।
बना जो सम्मान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

विश्व शांति के लिये भगवान महावीर का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2621वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 14 अप्रैल 22 दिन रविवार को मना रहे है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये "जिओ और जीने दो" का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो पिछले दो वर्ष से सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज आ रही है हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी के पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था।

हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया। भगवान महावीर का मंगल उपदेश था पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने ने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य और ब्रह्मचर्य का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के तीन बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध और लोभ। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। विश्ववंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रियजन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए। युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2621 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा।

भगवान महावीर के उपदेश को निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

"मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,"

"दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

क्रांति के युगांतकारी चिंतक डॉ. अंबेडकर

सामाजिक क्रान्ति के महानायक डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्षों का महाकाव्य है जिसने इन्सानियत को सही अर्थों में समझा और मानवीय गरिमा के इतिहास को गौरान्वित किया। मध्य?भारत महू में 14 अप्रेल, 1891 को अछूत महार जाति में जन्में डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय समाज के तलस्पर्शी अध्येता थे जिन्होंने गैर बराबरी, जातीय भेदभाव, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार, घोर अभावों और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपकर सतह से शिखर की ऊंचाई को स्पर्श किया। उनका नाम प्रत्येक वंचित के मन में स्पन्दन पैदा करता है।

महाचेता डॉ. अम्बेडकर ने निष्प्राण सामाजिक जीवन को जड़मूल से उखाड़कर लोकतांत्रिक आधार पर पुर्नगठित करने का संकल्प लेते हुए कहा कि "मैं अछूत हूँ, यह पाप है। लोग अछूतों को पशुओं से भी गया बीता समझते हैं। वे कुत्ते बिल्ली तो छू सकते हैं परंतु अछूत को नहीं। किसने बनाई है छुआछूत की व्यवस्था किसने बनाया है किसी को नीच, किसी को ऊंच भगवान ने हरगिज नहीं! वह ऐसा नहीं करेगा, वह सब को समान रूप से जन्म देता है। यह बुराई तो मनुष्य ने पैदा की है। मैं इसे समाप्त करके ही रहूंगा।" डॉ. अम्बेडकर ने बचपन से ही मर्मांतक पीड़ा को अनुभूत किया। एक दलित बालक जिसे बचपन में गाड़ियों से बाहर फेंका गया, विद्यालयों में बहिष्कृत किया गया, अछूत होने के कारण संस्कृत के अध्ययन से वंचित रखा गया, जिसे मटके से लेकर पानी पीने की मनाही हो, नाई जिसके बाल नहीं काटता हो, जिसे एक प्रोफेसर के रूप में सरेआम बेइज्जत किया, सार्वजनिक जलाशयों, होटलों, सेलूनों, मंदिरों से दुत्कारा गया हो, बम्बई जैसे महानगर में कोई रहने के लिए किराए से मकान देने को तैयार न हो, जो वकालत आरम्भ करे तो अछूत वकील को कोई केस देने को तैयार न हो। चपरासी तक दूर से ही उनकी मेज पर फाईलें फेंका करते हों , जिसे ब्रिटिश कठपुतली ओर दैत्य की संज्ञा दी गई वही अछूत बालक भीम संस्कृत के मूल वेदों और शास्त्रों का अध्ययन कर, पश्चिम में ज्ञान के विविध क्षेत्रों में अपनी विद्वता का लोहा मनवाकर भारतीय संविधान का मुख्य निमार्ता बना। दरअसल सुविधाओं का रोना उन्होंने कभी नहीं रोया वरन अथार्भाव की अत्यन्त विषम स्थिति में भी अपने

इरादों की दृढता ओर संकल्पों को जीतने की भीष्म तूलिका से समाज में व्याप्त अनावश्यक ऊंचाईयों को उन्मूलित कर स्वतंत्रता, समानता और बन्धुता की बुनियाद पर नए मानवीय समाज की रचना की। बड़ौदा महाराज की सहायता से डॉ. अम्बेडकर ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय, बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी ग्रेज-इन तथा लन्दन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से उच्च अध्ययन किया। एमए, पीएचडी, डीएससी, एमएससी, बार एट लॉ तथा डी.लिट् की उपाधियॉ प्राप्त की। वे संभवतः अपने समय के सबसे ज्यादा पढे लिखे व्यक्ति थे फिर भी उनकी सामाजिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस दौरान उन्होंने पश्चिम के श्रेष्ठतम शैक्षिक मूल्यों को आत्मसात कर यह निश्चय किया कि वे भारत लौटने पर सोये हुये दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति व्यापक चेतना जागृत करेंगे। इस हेतु मूक नायक, बहिष्कृत भारत, प्रबुद्ध भारत तथा जनता समाचार पत्रों का संपादन किया। वे चाहते थे कि स्वाधीनता की रोशनी में दलितों के लिए अवसरों के द्वार समान रूप से खुले रहें। उन्होंने अपनी शक्ति को राजनीतिक आजादी के बजाय सामाजिक आजादी पर केन्द्रित किया। उनके मन में ज्ञान की तीव्र लालसा और अन्याय के प्रतिकार की प्रबल आंधी थी। हिन्दू समाज से निरन्तर उपेक्षा और अपमान की सौगातें मिलने पर भी उनका देशप्रेम किसी भी बडे. देशभक्त नेता से कम नहीं था।

प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दृढ़ता के साथ दलितोत्थान के प्रति अंग्रेज राज की उदासीनता को रेखांकित करते हुए दलितों के आत्मसम्मान ओर उनके मानवाधिकारों का पक्ष समर्थन किया।तब गॉधी ने उन्हें उत्कृष्ट देशभक्त कहा।डॉ. अम्बेडकर ने पलटकर गॉधीजी से कहा ह्यह्लआप कहते हैं कि मेरा स्वदेश है किन्तु मैं फिर भी दोहराता हूं कि मैं स्वदेश से वंचित हूं । मैं इस देश को कैसे अपना देश और इस धर्म को कैसे अपना धर्म कह सकता हूं जिसमें हमारे साथ कुत्तें, बिल्लियों से भी बदतर बर्ताव किया जाता है। जहॉ हमें पीने का पानी तक नहीं मिल पाता। कोई भी स्वाभिमानी अछूत इस देश पर गर्व नहीं कर सकता।ह्यह्ल वे नहीं चाहते थे कि नेतृत्व आवाम को पशुओं की तरह हांके।

डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का अदभुत मंत्र दिया। उन्होंने दलितों में हीन ग्रंथि दूर करने का एहसास जगाया कि वे किसी से भी कमतर नहीं है। पीपुल्स एजूकेशन सोसायटी, मिलिन्द कॉलेज और सिद्धार्थ कॉलेज की स्थापना कर दलित समाज में शिक्षा के प्रति चेतना जागृति की क्योंकि आत्मसम्मान मानवाधिकार तथा सामाजिक न्याय केवल मांगने से नहीं मिलते। इन्हेंक प्राप्त करने के लिए स्वयं को काबिल बनाना पड़ता है। जिसकी बुद्धि गुलाम है वह कभी आजाद नहीं हो सकता। शिक्षा आदमी को इन्सान बनाती है। अपने आप पर भरोसा करना सिखाती है न कि देवी-देवताओं पर। किन्तु दुर्भाग्य से उनके प्रेरक संदेश को विस्मृत कर उन्हें विलक्षण प्रतिभा से पत्थर की प्रतिमा में तब्दील किया जा रहा है।

बीसवीं सदी के मानवाधिकारों के श्रेष्ठतम प्रवक्ता डॉ. अम्बेडकर सदैव सवर्णों और निम्न जातियों के मध्य समानता समरसता लाने के लिए आंदोलित रहे। अछूतोद्धार के लिए महाद चवदार तालाब, मनुस्मृति दहन तथा कालाराम मंदिर प्रवेश सत्याग्रह प्रारंभ किए थे, किन्तु सवर्णों के चवदार तालाब को शुद्ध करने के कर्मकाण्ड से वे अत्यन्त उद्विग्न हुए। अतः मंदिर प्रवेश की लड़ाई के प्रति अनास्था व्यक्त करते हुए कहा कि अस्पृश्यता हिन्दू धर्म पर नहीं हम पर कलंक है। उसे धोने का पवित्र कार्य हम करेंगे।

डॉ. अम्बेडकर मूलतः महान अर्थशास्त्री थे और सामाजिक अनर्थ को मानवीय अर्थ देने की उनमें अद्भूत क्षमता थी। उन्होंने राष्ट्रीमय लाभांश, रुपए की समस्या , प्राचीन भारतीय व्यापार , भारतीय मुद्रा ओर बैंकिंग इतिहास, प्रान्तीय वित्त का विकास और विकेन्द्रीयकरण तथा भारत में लघुजोतों की समस्या समाधान जैसे विषयों पर प्रामाणिक पुस्तकें लिखी। वे जानते थे कि उन्हें सामाजिक अन्याय के खिलाफ ही नहीं बल्कि आर्थिक शोषण के खिलाफ भी लड़ना है। इस अर्थ में वे समाजवादी अर्थव्यस्था के काफी निकट थे।

एक नजर इधर भी

-:1:-

विश्व युद्ध की आहट से ,जल-थल-नभ में अफरातफरी।

भयाक्रांत सब नर-पशु -पक्षी,हाथी शेर चिता और बकरी।।

बारूदों का तड़का देकर,बुझी राख सुलगाई जाती।

हथियारों की सप्लाई में,

कूटनीति अपनाई जाती।।

सोर में गोड़ न तोड़ो

-:2:-

भाजपा का जलवा कायम,

कायम बाबा और बुल्डोजर। बड़ी शान से सदन में पहुंचा, गांव शहर कस्बों से होकर।।

जीत की ढेरों बधाई

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

वर्तमान में भगवन महावीर के संदेशों की महती उपदेयता

वर्तमान में व्यक्ति ,देश ,विश्व,समाज अशान्तिमय जीवन यापन कर रहा हैं ,चारों ओर दुःख ,युध्य का वातावरण बना हुआ हैं .हर एक दूसरे को नीचा दिखा रहा हैं .आज विश्व में अधिपतियता के लिए लड़ मर रहे हैं ,जबकि यह अस्थायी होता हैं ,उसके बाद भी हठधर्मिता के कारण बुनियादी बातों को भूलकर दुखी हो रहे व कर रहे ."जियो और जीनो दो "मात्र शब्दकोष की शोभा बढ़ाते हैं ,व्यवहारिक धरातल में शून्य हैं .यदि अनेकांतवाद को जीवन में अपनाये तो बहुत कुछ या पूरा हल निकल सकता हैं .आज रूस और उक्रेन का युध्य मात्र हठवादिता या अहम की लड़ाई हैं ,जिसका अंत विनाश .इससे बचने के लिए दूसरों के भावों को आदर देने से शांति स्थापित हो जाती हैं और उसका प्रयास क्यों किया जा रहा हैं .मात्र शांति स्थापित करने के लिए .जो पहले करते तो इतना विनाश न होता .

विश्व, व्यक्ति ,समाज, देश,शासन, प्रशासन भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों को मात्र भाषण ,लेखों में न लिख ,बोल कर इतिश्री करे बल्कि उन्हें जीवन में उतार कर ही सही अर्थों में सुख शांति स्थापित कर सकते हैं .अन्यथा मात्र जयंती मनाने से खाना पूर्ती करना बेमानी होगी .

महावीर जयंती का पर्व जैन धर्म के २४ वे तीर्थंकर को समर्पित होता है जो प्रतिवर्ष धूमधाम से मनाया जाता है महावीर जयंती को जैनियों द्वारा भगवान महावीर के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मदिन होता है। इस त्यौहार को जैन धर्म का सबसे बड़ा त्यौहार माना गया है जो जैनियों द्वारा अत्यंत धूमधाम एवं आस्था से मनाया जाता है। भगवान महावीर को वर्धमान के नाम से भी जाना जाता है और इनके द्वारा ही जैन धर्म के मूल सिद्धांतों की स्थापना की गई थी। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र महीने के 13वें दिन अर्थात चैत्र शुक्ल की त्रयोदशी तिथि पर महावीर जयंती को मनाया जाता है। भगवान महावीर ने जैन धर्म की स्थापना और उसके प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 24वे तीर्थंकर भगवान महावीर को जैन धर्म के संस्थापक और जन्म कल्याणक के रूप में भी जाना जाता है। महावीर जयंती का पर्व जैन धर्म के २४ वे तीर्थंकर को समर्पित होता है। उन्होंने अपने जीवनकाल में अहिंसा और आध्यात्मिक स्वतंत्रता का प्रचार किया और मनुष्य को सभी जीवों का सम्मान एवं आदर करना सिखाया। उनके द्वारा दी गई सभी शिक्षाओं और मूल्यों ने जैन धर्म नामक धर्म का प्रचार-प्रसार किया था। भगवान महावीर का जन्म उस युग में हुआ था जिस वक्त हिंसा, पशु बलि, जातिगत भेदभाव आदि अपने जोरों था। उन्होंने सत्य और अहिंसा जैसी विशेष शिक्षाओं के द्वारा दुनिया को सही मार्ग दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने कई प्रवचनों से मनुष्यों का सही मार्गदर्शन किया।

वर्तमान समय से करीब ढाई हजार साल पहले अर्थात ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुंडलपुर मैं राजा सिद्धार्थ और उनकी पत्नी रानी त्रिशला के गर्भ से भगवान महावीर का जन्म हुआ था। वर्तमान युग में कुंडलपुर बिहार के वैशाली जिले में स्थित है। इनके बचपन का नाम वर्धमान था जिसका तात्पर्य है ह्लजो बढ़ता हैह्ल, साथ ही महावीर को वीर, अतिवीर और सहमति के नाम भी जाना जाता है। भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में सांसारिक मोह-माया और राज वैभव का त्याग कर दिया था और आत्म कल्याण एवं संसार कल्याण के लिए संन्यास ले लिया था। ऐसा भी माना जाता है कि 12 साल की कठोर तपस्या के बाद भगवान महावीर को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और उन्हें 72 वर्ष की आयु में पावापुरी में मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।

भगवान महावीर (जैन धर्म) के 5 मूलभूत सिद्धांत- भगवान महावीर द्वारा पंचशील सिद्धांत के बारे में बताया गया है, जो किसी भी मनुष्य को सुख तथा समृद्धि से युक्त जीवन की तरफ ले जाता है।

अहिंसाः भगवान महावीर ने कहा था कि प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन से हिंसा का त्याग करन चाहिए। सभी मनुष्य और जीव-जंतु के प्रति समानता और प्रेम का भाव रखें।

सत्यः महावीर जी का कहना था कि हर मनुष्य को सत्य के पथ का अनुसरण करना चाहिए, साथ ही किसी भी स्थिति में झूठ बोलने से बचना चाहिए।

अपरिग्रहः अपरिग्रह के विषय में भगवान महावीर ने कहा था कि किसी भी मनुष्य को आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह करने से बचना चाहिए। ऐसा मनुष्य कभी भी अपने दुखों से मुक्त नहीं हो सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को सुख और शांतिमय जीवनयापन करने के लिए आवश्यकता अनुसार ही वस्तुओं का संचय करना चाहिए।

अस्तेयः भगवान महावीर द्वारा बताया गया चौथा सिद्धांत है अस्तेय। अपने जीवन में अस्तेय का पालन करने वाला मनुष्य हर कार्य को सदैव संयम से करता हैं। अस्तेय का अर्थ होता है चोरी नहीं करना, लेकिन यहाँ चोरी का अर्थ सिर्फ भौतिक चीजों की चोरी करने से नहीं अपितु दूसरों के प्रति बुरी दृष्टि से भी है, जिससे सभी मनुष्यों को बचना चाहिए। शांतिपूर्ण जीवन की प्राप्ति के लिए हमें अस्तेय का पालन करना चाहिए क्योकि अस्तेय का पालन करने से ही हमें मन की शांति की प्राप्ति होती है।

ब्रह्मचर्यः ब्रह्मचर्य के बारे में भी भगवान महावीर ने अत्यंत अनमोल उपदेश दिए हैं। उन्होंने ब्रह्मचर्य को उत्तम तपस्या बताया है। ब्रह्मचर्य मोह-माया छोड़कर अपने आत्मा में लीन हो जाने की प्रक्रिया है। ब्रह्मचर्य का पालन करने से मन की शांति और सुकून की प्राप्ति होती है। महावीर जयंती पर जैन धर्म का अनुसरण करने वाले अनेक प्रकार की गतिविधियों में भाग लेते हैं जो उन्हें भगवान महावीर को याद करने का अवसर प्रदान करती हैं इस दिन लोग महावीर जी की प्रतिमा को जल से अभिषेक कराते हैं। इन्हे भगवान महावीर की शुद्धता का प्रतीक माना गया है। जैन धर्म के लोगों द्वारा भगवान महावीर की प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान जैन भक्तों द्वारा रथ पर भगवान महावीर की प्रतिमा को शहर की परिक्रमा कराने का विधान हैं। इस प्रकार से वे लोग महावीर जी द्वारा बताये गए जीवन के सार को लोगों तक पहुँचाते हैं। महावीर जयंती के दौरान, दुनिया भर से लोग भारत के जैन मंदिरों में दर्शन करने के लिए आते हैं। जैन मंदिरों के अलावा, लोग महावीर जी और जैन धर्म से संबंधित पुरातन स्थानों पर भी जाते हैं।

सरगुजा के लोकनृत्यों में खिसरा

छत्तीसगढ़ में भी नाटकों एवं प्रहसनों में विदूषकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जो कि प्राचीन काल से अद्यतन दिखाई देती है। इस तरह हम देखते हैं कि संस्कृत नाटकों से लेकर प्राकृत भाषा के नाटकों एवं स्थानीय बोलियों भाषाओं में प्रदर्शित किए जाने वाले नाटकों में विदूषक का पात्र दिखाई देता है। कुछ ऐसा ही सर्कसों में भी जोकर की भूमिका होती रही थी जोकर गिरी का चलन गांवों शहरों नगरों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का अहम अंग हुआ करता था। आज भी वनांचल ग्रामीण अंचलों में आयोजित होने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे करमा सुआ शैला बायर ढोमकच पंडो नाचा में एक खिसरा अर्थात जोकर निश्चित रूप से होता है। उत्सव आदि आयोजन के समय नट अपनी कला प्रदर्शन से समारोह में शामिल लोगों का मनोरंजन किया करते थे। उनके बीच भी एक पात्र जोकर हुआ करता था। वह लोगों के अन्तर्मन में झांकते हुए दर्शकों को हंसाने का कार्य किया करता है। ऐसा ही एक पात्र सरगुजा की सांस्कृतिक नृत्यों करमा, सुआ, बायर एवं शैला में भी दिखाई देता है, जिसे स्थानीय बोली में खिसरा कहा जाता है।

भूमिका

कार्यक्रम में इसकी महती भूमिका होती है क्योंकि यह जनमानस में हास्य उत्पन्न करता है। ज्यादातर दर्शक खिसरा के तरफ आकर्षित होते हैं। नर्तक दलों के थिरकते कलाकारों के साथ एक नजर खिसरा के तरफ भी रखते हैं। खिसरा गांव के नर्तक दल में काफी लोकप्रिय होते हैं। विनोदी स्वभाव वाले व्यक्ति को चयन कर ग्रामीण अंचल के लोक कलाकार कलाप्रेमियों का खास मनोरंजन करने के लिए खिसरा बनाते हैं। भारतीय कला संस्कृति में नट लोगों का इतिहास मिलता है। राजाओं के दरबार में हंसने हंसाने वाले विशिष्ट कलाकार होते थे। खिसरा अलग से लोगों का मनोरंजन करता है। खिसरा दर्शकों के मन की आंतरिक खुशी है। वनांचल क्षेत्र में होने वाले वनवासी लोक कला महोत्सवों में अक्सर खिसरा का होना जरूरी होता है। यह कुछ ऐसा अभिनय करता है जिससे दर्शकों में हास्य उत्पन्न हो और हंस हंस कर लोटपोट हो जाएं। दर्शक हंसने के लिए खिसरा के आने की प्रतीक्षा करते हैं। छेरछेरा, राउत नाचा, सुआ, शैला बायर नृत्य में खिसरा शामिल होते हैं।

वेशभूषा

पहले जमाने में लकड़ी के खरादे हुए या पेड़ के छाल से बने मुखौटे पहन कर कोई एक व्यक्ति खिसरा बनकर आयोजित कार्यक्रम में शामिल लोगों का दिल बहलाता था। कालांतर में मुखौटे धातु प्लास्टिक से बनने लगे जिसे चेहरे पर लगा लोग जोकर का किरदार निभाने लगे। ग्रामीण अंचलों में होने करमा, सुआ, शैला, बायर आदि पारम्परिक लोक कला में मुख्य भूमिका महिला-पुरुष दोनों की होती है परन्तु उसमें एक खिसरा अर्थात जोकर जरूर शामिल होता है। खिसरा किसी भी वेशभूषा में हो सकता हैं। फटे-पुराने चिथड़ों में ढाढ़ी मूंछ लम्बे बाल, रंग बिरंगा पहनावा, हाथ में डंडा, लकड़ी की कुल्हाड़ी, तलवार आदि लिए हुए भी दिखाई देते हैं। भले की मनोरंजन के साधनों में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई देता है, परन्तु ग्रामीण अंचल की संस्कृति में आज भी खिसरा का महत्व बना हुआ है।

धीरलगहा शिक्षा के उजियारी ले सबो अपन हक ल जाने लगिन हें। अशिक्षा जिहां-जिहां रहिथे, उहें-उहें शोषण करइया मन पांव जमाथे। तरा-तरा के भय-भूत ले डरवावत लूट मचाय रहिथें। आजो चतुरा मन गरीब अउ अप्पड़ मन के शोषण करे म नइ डर्रावत हें। इही अशिक्षा अउ अज्ञानता के अंधियारी ल चीर के श्यामू ह समाज ल अंजोर बांटत हांसी-खुशी जिनगी जियत रहिस हे।

गरहन

जिनगी तो अपन आय, अपन ढंग ले जीना चाही। फेर मनमाने ढंग ले मनमानी घलव नइ करना चाही। ए जिनगी म घर-परिवार अउ समाज के घलव हक होथे। घर-परिवार जउन जन्म देहे के संग ननपन ले पाल-पोस के बड़े करे हे। खाय-पीए बर दाना-पानी, ओढ़े-बिछाय अउ पहिने बर ओनहा अउ कपड़ा-लत्ता जइसन जरूरी सरी बेवस्था करथे। समाज ह तइहा ले चले आवत हे। जब संविधान घलव नइ रहिस हे। समाज जउन ल मनखे डरार्थें, लोगन झेंपथें। ए अलग बात आय कि चतुरा मनखे मन अप्पड़ मनखे ऊपर धाक जमाय बइठे रहिन। शिक्षा ल पोटारे रखे रहिन। सुरुज देव ल बादर ह भला कतेक दिन ले छेंके पाथे। रतिहा के अंधियारी ह फुलफुलावत बिहना के अंजोर के परछो पात्तेच पल्ला भागे लगथे। वइसने शिक्षा के अंजोर ल कपटी मन कतेक दिन ले रोके पातिन। शिक्षा के अंजोर बगरे लगिस। धीरलगहा शिक्षा के उजियारी ले सबो अपन हक ल जाने लगिन हें। अशिक्षा जिहां-जिहां रहिथे, उहें-उहें शोषण करइया मन पांव जमाथे। तरा-तरा के भय-भूत ले डरवावत लूट मचाय रहिथें। आजो चतुरा मन गरीब अउ अप्पड़ मन के शोषण करे म नइ डर्रावत हें। इही अशिक्षा अउ अज्ञानता के अंधियारी ल चीर के श्यामू ह समाज ल अंजोर बांटत हांसी-खुशी जिनगी जियत रहिस हे।

श्यामू जेन बीस-बाइस बछर के उमर म सरकारी नउकरी पागे रहिस। ओहर पढ़ई-लिखई म बड़ हुसियार रहिस हे। एकर प्रमाण ओकर पढ़ते-पढ़त नउकरी लगना हर आय। समे आगू बढ़त गिस। चार बछर नउकरी करे पाछू बिहाव होइस। ओकर घर के फुलवारी म ओकर अउ किसना के मया के नान्हें फूल मुसकाय लगिस। घर म उछाह मंगल मनाय गिस। पारा परोस के मन छट्ठी चहा के संग छट्ठी भात घलव खाइन। सगा-पहुना मन घलव बने सकलाय रहिन हें। पारा परोस के साहमत ले सगा-पहुना के स्वागत म कोनो किसम के कमी नइ होइस। श्यामू के ससुराली पहुना अउ ममा-फुफू के जुरियाये सगा मन बड़ उछाह ले खुशी ल बांटिन। रतिहा घात बेरा ले रमायन होइस अउ जुरमिल के सबो झन श्यामू के बाबू महेश ल अशीष देवत सोहर गाइन अउ नाचिन कुदिन। आजे रमायण के छेवर म लइका के नांव महेश तो धरिन हवै। जिनगी म सुख के दिन रहिथे त दिन कइसे पहाथे गम नइ मिलय। समे फुर्र के उड़ जथे। लहुट के सुरता करबे त काली च के बात लागथे। देखते-देखत दिन महिना करत कतको बछर गुजरगिस। श्यामू के बेटा बने बाढ़गे रहिस। लिखई-पढ़ई घलव बने कर डरे रहिस। स्कूल म अपन संगवारी मन म अव्वल राहय अउ कक्षा म चौथा पांचवां आतेच राहय।

एती श्यामू ह समाजिक बूता म घलव लगे राहय। अड़ताफ भर म ओकर समाज सेवा अउ सहयोग के भावना के शोर फइले रहिस। तीर तखार के गांव म सबो ओला पहचानंय। गरीब मनखे अउ रुचि लेके पढ़इया लइका मन बर ओहर दूनो हाथ ले साहमत करय। ए बूता करत ओहर अपन घर के अपन जुम्मेवारी ल घलव पूरा करत रहिस। कभू कोनो ल शिकायत करे के मउका नइ दिस। समाज म फइले कतकोन बुराई अउ कुरीति ल मेटे बर घलव बाना धरे रहिन। नशाखोरी, दहेज, बाल बिहाव, बालश्रम, जइसन समाजिक समस्या बर समाजिक चेतना लाय बर सरलग उदिम करंय। अपन ए बूता ल करत श्यामू कभू ए नइ सोचिन कि लोगन मोर नाँव लय। एकर आड़ म ओहर कभू राजनीति करना चाहबे नइ करिस। अइसे तो कतकोन मन समाज सेवा ले राजनीति म जाय के रस्ता चतवारथें। चार महीना बरोबर समाज सेवा करे नइ राहय अउ राजनीति म बड़का पद पाय के सपना सँजोय लगथे। फेर श्यामू राजनीति म जाय के सपना म घलव नइ सपनाइस। पढ़ई-लिखई पूरा करे के पाछू महेश बेरोजगारी म पिसाय लगिस। ठलहा रेहे ले दिनभर लठंग-लठंग घूमई होइस अउ संगति म बिगड़े धर लिस। ...सबो किसम के नशा पानी, जुआ, सट्टा अब ओकर आदत बनगिस। इही बीच श्यामू बड़ उदिम करिन कि महेश स्वरोजगार अपना लय। अपन मनपसंद के दुकान चलावय। अब तो सरकारी नउकरी प्रतियोगिता परीक्षा पास करे के पाछूच मिलथे। महेश गलत संगति के संग परे ले कुछु नइ कर पावत रहिस। अब पढ़ई ह ओला बोझा जनात रहिस हे। श्यामू कतको बरजिस फेर महेश एको चेत नइ करिस। उल्टा कहे लगय-श्मय दूकान खोलके दिनभर बइठे नइ राहंव। मंय दूकान म बइठ के पिंजरा के मिट्ठू सहीं नइ धंधावंव। श्यामू अब करतिस त करतिस का? पइसा तो हे फेर पानी बरोबर बोहाय नइ जा सकंय। श्यामू सोचे नइ रहिन के कभू अइसन नौबत घलव आही। हमरे लइका हमरे बात नइ मानही। अब तो महेश मंद-मउहा पीके गली म गिरे-परे राहय। श्यामू के जम्मो मान सम्मान ल माटी म मिलाय धर लिस। जन-जन मेर उधारी कर के जुआ अउ सट्टा म पइसा ह हार गे राहय। बेटा के करे करजा ल छुटत श्यामू हलाकान हो जय। अब तो नउकरी के पइसा घलव पूर नइ परत रहिस। करजा छुटय त जेब खाली हो जात रहिस। अउ करजा चुकता नइ करय त जगा जगा बदनामी के डर...।

श्यामू ह अपन आप ल अब स्कूल ले घर अउ घर ले स्कूल तक समेट लिस। काकरो मेर बइठ के गोठियाय के मन नइ होवत रहिस। मन टूट गे राहय। सियान मन कहे हें- 'अपन हितवा करा दुख गोठियाय ले अधिया जथे।' सच आय दुख ल गोठियाय ले मन के बोझा थोरिक कमती हो जथे। फेर श्यामू गोठियाय त गोठियाय काखर तिर? घर म बेटा ह रोजेच झगरा मतावय। परोसी मन ल घलव गारी देवय। परोसी मन श्यामू के हियाव करत कलेचुप रहि जावंय। कोनो दूसर के लइका रहितिच त थाना कछेरी के नौबत घलव आ जतिस। महेश अपन बाप ल रोजेच पइसा कौड़ी बर तंगावय। नइ मिले म मर जहू कहिके धमकी घलव देवय। धमकी सुन के श्यामू मने मन कहे लगिस-श्मनखे दुनिया ले लड़ लिही अउ जीत घलव जही, फेर घर ले नइ लड़ पावय। जीतई तो दूर आय। बेटा ले पार पाना तो अउ मुश्किल हे। श्यामू हलाकान होगे राहय। ओकर मन उचट गिस। तरा-तरा के विचार ओकर मन म हिलोर मारे लगिस। सरी मान सम्मान माटी म मिलत जात रहिस। एक दिन हताश श्यामू घर ले कलेचुप निकल गे। कहां गिस अउ कहां हे एकर कोनो ल आरो नइ मिलिस। गांव म इही बात के शोर हावय कि समाज म फइले बुराई मन के गरहन कोनो ल धर सकत हे।

पुस्तक समीक्षा

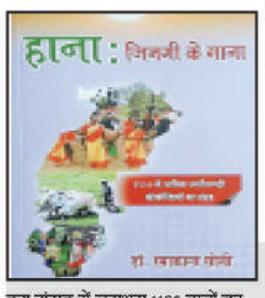

कृतिकार- डा. रमाकांत सोनी
कृति का नाम-हाना : जिनगी के गाना
समीक्षक- डा. मृणालिका ओझा
प्रकाशक- अक्षर प्रकाशन, चांपा
मूल्य- चार सौ रूपए

इस संग्रह में लगभग 1130 हानों का उल्लेख उनके अर्थ सहित किया गया है। ये गद्य एवं पद्य दोनों रूपों में हैं। इन्हें करम और भाग्य, ससुराल और ससुराली रिश्ते, मुफ्तखोर और कामचोर, लबारी या झूठ, नगर विशेष, अंगदोष, जाति विशेष, कृषि आदि शीर्षक (प्रखंड) के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है। इनमें जीवन दर्शन, प्रकृति सौंदर्य, प्राकृतिक अपरूपता, सामाजिक प्रेम, विद्वेष, धार्मिक आस्थाएं, आधुनिकता, पारंपरिकता और विवशता भी अभिव्यक्त होती है। हाना वस्तुतः गहन अनुभवों से प्राप्त निष्कर्ष ही होते हैं। डा. रमाकान्त सोनी जी ने हानों पर पुस्तक प्रणयन कर सचमुच समुद्र का मंथन जैसा घोर श्रमसाध्य कार्य किया है-

बेटी के दाई बनिस रानी
बुढ़त काल में भरिस पानी

यह पुस्तक मात्र छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियों का संग्रह है ऐसा नहीं है। इसमें अनेक छत्तीसगढी लोकोक्तियों के समांतर संस्कृत और अंग्रेजी की सूक्तियों का समावेश भी किया गया है। अनेक सूक्तियां तो एक तरह से वैश्विक महत्व के तथ्यों को प्रतिपादित करती है। स्त्री के संपूर्ण जीवन, उसकी विशदता और विवशता पर न जाने कितनी ही पुस्तकें लिखी गई है और न जाने कितनी ही पुस्तकें लिखी भी जा सकती है। आमतौर पर भारतीय समाज में एक सामान्य परिवार की स्त्री पर यह खूबसूरत सारगर्भित हाना देखिए-

मांगत बहू सोनवा, बिहावत बहू रूपवान,
लइकोरी बहू झिंथरी, जरगे बाहिर भीतरी।

सारे हानों का बहुत सटीक, संक्षिप्त और सार्थक विश्लेषण किया गया है। 'हानों' के गहन गंभीर चिंतन के साथ लेखक ने साहित्य के प्रशस्त किंतु अनगढ पथ पर चलकर जीवन के सत्य को प्रकाशित किया है। अटूट श्रम व लगन के फलस्वरूप ही ऐसे ग्रंथ का प्रणयन करने का महत्वपूर्ण कार्य निष्पादन आपके द्वारा संभव हुआ है। मेरा विश्वास है कि इस पुस्तक पर लघु शोध कार्य भी किया जा सकता है।

वनवासियों द्वारा महुआ फूल संग्रहण का कार्य सबेरे से सूर्यास्त होने तक चलता रहता है। जब संग्रहण कार्य पूर्ण कर घर लौटते हैं तब खतरनाक और हिंसक वन्य प्राणियों से बचने के लिए लंबी-सुरीली आवाज में जोर लगाकर ऊं ऊं कहने की प्रथा को महुआ कुहकी कहते हैं। इस आवाज को महुआ कुहकी भी इसलिए कहा जाता है कि जो व्यक्ति आवाज देते हैं उनकी ध्वनि कोयल की कुक जैसे मधुर होती है।

कार्य के प्रति सचेत होने का संकेत
महुआ कुहकी में

आदिवासी अंचलों में दैनिक जीवन से जुड़े कार्य कभी कभी चकित करने वाले होते हैं जो हमें अन्यत्र देखने को मिलते हैं। यहां के अधिकांश संस्कृति व परंपराएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से तर्कसंगत भी होते हैं ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जो काफी रोचक भी होते हैं ऐसे ही उदाहरणों में से एक है महुआ कुहकी। इन अंचलों में बसंत लगने और पतझड़ की प्रारंभिक समय में महुआ वृक्ष से फूल झड़ने का क्रम चालू हो जाता है वैसे देखा जाए तो आज भी ऐसे अंचलों के रहवासियों के आजीविका का मुख्य साधन वनोपज ही होता है। महुआ फूल संग्रहण भी इनके उदाहरणों में से एक है।

महुआ कुहकी : वनवासियों द्वारा महुआ फूल संग्रहण का कार्य बच्चे, महिलाएं व पुरूष करते हैं। यह कार्य सबेरे से सूर्यास्त होने तक चलता रहता है। जब संग्रहण कार्य पूर्ण कर घर लौटते हैं तब महिलाएं-पुरुष व बच्चे अंधेरा होने पर खतरनाक और हिंसक वन्य प्राणियों से बचने के लिए अपने साथ जंगल पहुंचे साथियों को चिल्लाकर अवगत कराया जाता है। इस अवस्था में लंबी-सुरीली आवाज में जोर लगाकर ऊं ऊं कहने की प्रथा को महुआ कुहकी कहते हैं। इससे यह संदेश दिया जाता है कि अब अंधेरा हो चुका है और अपने क्षेत्र में किसी अन्य बाहरी व्यक्ति का प्रवेश महुआ बिनने के लिए न हो इस कारण भी महुआ कुहकी लगाया जाता है। इसके साथ ही अन्य व्यक्ति जो महुआ बिनने गए होते हैं उन्हें भी घर चलने का संकेत देने के लिए महुआ कुहकी लगाई जाती है इससे संबंधित अन्य व्यक्ति अब घर जाने की तैयारी करने लग जाते हैं। इस आवाज को महुआ कुहकी भी इसलिए कहा जाता है कि जो व्यक्ति आवाज देते हैं उनकी आवाज मिठास होने के साथ ही कोयल की कुक जैसे मधुर ध्वनि होती हैं।

कड़े नियमः महुआ बिनाई के लिए कई कड़े नियम अनुशासित होकर काम करने के लिए बनाए जाते हैं। महुआ बिनने के लिए निर्धारित कर दिए जाते हैं अपने लिए निर्धारित वृक्ष में ही महुआ बिनना होता है। यदि किसी महुआ बिनने वाला इस नियम का उल्लंघन कर किसी अन्य पेड़ का महुआ बिनने लगता है तो पता चलने पर उन्हें गांव में बैठक बुलाकर दण्डित किए जाने का प्रावधान होता है। इसके साथ ही जो व्यक्ति महुआ बिनने जाते हैं उन्हें बिना भोजन किए अर्थात खाली पेट रहकर ही बिनाई करना होता है। इस संबंध में लोगों की धारणा है कि खाना या बासी खाकर महुआ बीनने से वन देवी-देवता के कुपित होने पर अनहोनी होने की आशंका बनी रहती है। यह नियम चैत्र नवरात्रि मनाने के पहले तक होता है लेकिन चैत्र नवरात्रि निपटने और जात्रा पर्व मनाने के बाद खाना या बासी खाकर महुआ बीना जा सकता है। माना जाता है कि इन पर्वो में ग्राम एवं जंगल के देवी देवताओं को विधि विधान से भोग में महुआ का फूल या महुआ से निर्मित शराब तर्पण किया जाता है, इसलिए वनवासी ग्रामीण आस्था या लोक धर्म का पूर्णतः नियमों का पालन करते स्वतंत्रता पूर्वक अपने निर्धारित पेड़ों में कुहकी लगाकर महुआ बीनाई करते हैं। इस समय इनके साथ ही तेंदू पत्ता, तेंदू, चार, हर्रा, आंवला, बहेरा, कुसुम टोरी एकत्रित करने तथा लकड़ी लाने और झाड़ काटने जाने वाले भी कुहकी लगाने की प्रक्रिया का पालन करते हैं इसे महुआ कुहकी न कह अमान्य कुहकी कहा जाता है।

कविता

कोकड़ा

मनटोरा मुखारी सिलहोइस
जंगल नंदागे,
मंगलू नहइस
नरवा अंटागे,
समारू नांगर फांदिस
जमीन सिरागे।
देस के माई मुड़ी ल संसो परगे
ओहर मंतरी बर मन्नागे,
मंतरी अधिकारी ल फटकारिस
अधिकारी ह बाबू बर तमकिस
बाबू फाइल मं कलम रेंगइस,
जंगल हरियागे,
जमीन अल्लार होगे,
नरवा छलछलाए लागिस।
मनटोरा अब बरस करत हे
मंगलू मिनरल वाटर पियत हे
समारू आलू बेंच के
पाकिट वाला चिप्स चगलत हे।
गांव-गांव मं विकास के पुरा आगे,
मेचका मन उबुक-चुबुक होवत हें,
मछरी मन उफलावत हें,
कोकड़ा चोंच ल उलाए किंजरत हे।
का तुमन ल नई लागे?
दुनिया ह कोकड़ा के दूनों चोंच के बीच मं,
अरझे हे तइसे।

ओड़िशा की सीमा से लगभग लगे और महानदी के नजदीक बसे पुसौर गांव (जिला -रायगढ़) को वर्ष 2008 में ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बना दिया गया। यह कस्बे नुमा एक बड़े गांव की तरह है। साठ से सत्तर के दशक में यहां की गलियों में इन धातुओं की खनक गूंजती रहती थी। अब बाजार में मांग कम, मेहनत ज्यादा और मजदूरी संतोषप्रद नहीं होने के कारण इनकी कला दम तोड़ने के कगार पर पहुंच चुकी है। पुसौर में एक दिलचस्प बात यह देखने को मिली कि बर्तन बनाने वाले अधिकांश कारीगर स्थानीय रामलीला मंडली के कलाकार भी हैं।

दम तोड़ रहे पुसौर के धातु शिल्प

आधुनिक युग में भी अधिकांश घरों में कांसे और पीतल के बर्तनों की खनक लम्बे समय तक सुनाई पड़ती रही, पहले एल्युमिनियम और बाद में स्टेनलेस स्टील के बर्तनों के आने से इनका प्रचलन अब लगभग नहीं के बराबर रह गया है। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में शादी-ब्याह में शगुन के रूप में कांसे और पीतल के बर्तन दिए जाते हैं जैसे-कांसे की थाली, कांसे के लोटे, पीतल की कलशी आदि। इसके बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बर्तनों के बाजार में स्टेनलेस स्टील के बर्तनों ने अपनी जोरदार बढ़त बनाकर पुराने जमाने के कांसे और पीतल के बर्तनों के कुटीर उद्योग को एक कोने में ढकेल दिया है। छत्तीसगढ़ के पुसौर (जिला -रायगढ़) में कभी परम्परागत बर्तन उद्योग अपनी बुलंदियों पर था, जो अब ढलान पर आकर दम तोड़ रहा है। ओड़िशा की सीमा से लगभग लगे और महानदी के नजदीक बसे पुसौर गांव को वर्ष 2008 में ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बना दिया गया। यह कस्बे नुमा एक बड़े गांव की तरह है। ओड़िशा की सीमा पर होने के कारण यहां ओड़िया भाषा और उत्कल संस्कृति का बहुत गहरा असर महसूस किया जा सकता है। यहां बर्तन बनाने का काम कसेर लोग करते थे। इस समुदाय के वरिष्ठ नागरिक वल्लभ कसेर बताते हैं कि बीस-पच्चीस साल पहले पुसौर के लगभग 70 घरों में कांसे और पीतल के बर्तन बनते थे। गलियों में इन धातुओं की खनक गूंजती रहती थी। लेकिन अब केवल चार पांच घरों में ही यह काम होता है, जिससे जैसे-तैसे गुजारा चल रहा है। केदारनाथ महाणा 17 वर्ष की उम्र से बर्तन बना रहे हैं। आज वह 65 साल के हैं। उन्होंने और उनके भाई रघुनाथ ने अपने पिता दशरथ महाणा से यह काम सीखा था।

वल्लभ कसेर ने बताया कि बाजार में तांबा 700 रुपए और रांगा 2000 रुपए किलो मिलता है। जस्ते की कीमत 300 से 500 रुपए या उससे भी कुछ अधिक हो सकती है। नए बर्तन बनवाने के लिए कोई साहूकार (दुकानदार) कच्चा माल लाकर दे तो वे एक दिन में तीन-चार किलो कांसे के नये बर्तन बना सकते हैं। इसके लिए कसेरों को 230 रुपए प्रति किलो के हिसाब से मजदूरी मिल जाती है। कांसे के पुराने बर्तनों को गलाकर नया बनाना हो तो उसके लिए 100 रुपए प्रति किलो की मजदूरी लेते हैं, जबकि पीतल के नये बर्तन बनवाने की मजदूरी 250 रुपए और पुराने को नया बनवाने की मजदूरी 50 से 60 रुपए किलो प्रचलित है। बाजार में कांसे के नए बर्तन 1400 से 1500 रुपए किलो के भाव से बिकते हैं।

कुछ इसी तरह पीतल के बर्तनों का भी कीमत 900 रुपए से 1100 रुपए के आसपास है। वल्लभ कसेर आज से करीब 29 साल पहले अपने तीन -चार नौकरों के साथ बैलगाड़ियों में बर्तन लेकर आसपास के गांवों में फेरे लगाकर अपना व्यवसाय करते थे। उन्होंने 2012 तक यह काम किया, फिर कड़ी मेहनत के बावजूद लागत नहीं निकलने पर उन्होंने यह काम छोड़ दिया। वल्लभ कसेर के अनुसार छत्तीसगढ़ में पुसौर के अलावा चाम्पा, सक्ति और बाराद्वार भी इन बर्तनों के कुटीर उद्योग का प्रमुख केन्द्र हुआ करते थे, लेकिन अब वहां भी पहले जैसी बात नहीं रह गयी है। कांसे और पीतल के बर्तन बनाने वाले अधिकांश कारीगरों को सारा काम बैठकर और झुककर करना पड़ता है, इसलिए कुछ वर्षों के बाद उनकी कमर और घुटनों में दर्द होने लगता है। बाजार में मांग कम, मेहनत ज्यादा और मजदूरी भी संतोषप्रद नहीं। पुसौर में एक दिलचस्प बात यह देखने को मिली कि बर्तन बनाने वाले अधिकांश कारीगर स्थानीय रामलीला मंडली के कलाकार भी हैं।

...सुधार नहीं व्यभिचार

समाजसेविका और नारी उत्थान वाली बहनजीयां भी इसमें शामिल थीं। लड़कियों के साथ मार पीट होती है। उन्हें अलग-अलग तरह के पुरुषों के साथ दैहिक रिश्ता बनाने को मजबूर किया जाता है। वे नानुकर नहीं कर सकतीं। विरोध करने वालियों को पीटा जाता है, जबरन नशे कराये जाते हैं। इस तफ्तीश में यह भी निकला कि कुछ मासूम बच्चियां यौन आक्रमणों के दरम्यान मर जाती हैं या मौत के मुहाने पर चली जाती हैं।

लइकियों/औरतों के साथ सुधार के नाम पर भी शोषण ही किया जाता है। यह शोषण दैहिक होने के साथ ही मानसिक भी होता है। जिसकी असलियत प्रायः उजागर नहीं होती। दलदल की यह हकीकत थोड़ा बहुत रिस-रिस कर कभी सामने आती भी है तो उसे खुर्राट किस्म की व्यवस्था द्वारा जज्ब कर लिया जाता है। गये हफ्ते बिहार के वेतिया सुधार गृह की पोल थानेदार ने खोली। उसने कहा, यहां नाबालिग को रखना खतरनाक है। लड़कियों को रोज किसी नई गाड़ी में भेज दिया जाता है। उसने यह भी कहा, समझते नहीं हो, लड़की 14 साल की है। जब तक 18 की नहीं होगी, घर वापस नहीं आ पायेगी ....तुम नहीं जानते, उसके साथ क्या होगा। वैरिया थाने में पोस्टेड दुष्यंत कुमार ने अपहरण मामले में बरामद नाबालिग को जबरन परिजनों के साथ भेजने के लिए यह सब कहा। असली खबर है कि यह ऑडियो सामने आने के बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया। दुष्यंत कुमार की बात से कोई चौंका नहीं। किसी को असलियत से पीड़ा नहीं हुई। किसी ने भी इसकी गहराई से जांच कराने का जोखिम नहीं लिया। यह अपने आप में कितनी दिल दहलाने वाली खबर है। लड़कियां कहा सुरक्षित हैं, यह सब अच्छी तरह जानते हैं। परिवार अपनी बरामद की गयी लड़की को घर वापिस ले जाने को राजी नहीं। उनका आरोप है कि लड़की जबरन उठायी गयी। जबकि अंदेशा है कि यह प्रेम प्रकरण है। असल कहानी क्या है, हमेशा की तरह, उसमें किसी को रत्ती भर रुचि नहीं नजर आ रही। थानेदार की बात वॉयरल हो गयी और उस पर गाज गिर गयी, बस हो गया सब। उसने जिस घिनौनी हकीकत से परदा खोला, उस पर बिहार की धुरंधर पत्रकारों, लेखकों, कथाकारों, कवियों और अदाकारों को कोई फिक्रमंदी नहीं हुई। पानी पी-पीकर दुनिया भर को रास्ता सुझाने वाली इस कौम को रिमांड घरों की हकीकत रास नहीं आई या उन्हें इससे घिनौने राज पहले ही मालूम हैं, जो आंख, नाक, मुंह सिये बैठी रह गयीं। थानेदार ने जो कुछ कहा, वह अपने महान देश की हकीकत है। लड़कियों ही नहीं, नाबालिग लड़कों के साथ, जो कुछ होता है, वह भयावह है। यह हकीकत देश भर की है, पर बार-बार बिहार से ही ऐसी खबरें रिस-रिस कर सामने आती हैं और बेशर्मीपूर्वक लीपापोती कर दी जाती है। कोई कैसे भूल सकता है, बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम/ बालिका सुधार गृह के मालिक/संचालक बृजेश ठाकुर के कारनामें। जिनमें 34 लड़कियों के यौन उत्पीड़न का खुलासा हुआ था। वहां से गायब 6 लड़कियों का पता ही नहीं चला। अपराधी और उसके साथियों को उम्र कैद की सजा हुई है। इस मामले में बृजेश के साथी के तब की बिहार सरकार की समाज कल्याण मंत्री मंजू वर्मा से करीबी संबंध थे। सोशल मीडिया पर फरवरी में वायरल वीडियो में भुक्तभोगी युवती का आरोप था, हमें नशे का इंजेक्शन देकर गंदा काम करने पर मजबूर किया जाता है। सुंदर लड़कियां इनकी चहेती हैं। जो खिलाफ रहती हैं, उसे पागल बता दिया जाता है। उसने यह भी कहा, हसीना को फांसी लगा दी गयी थी। उसका कंकाल पागलखाने में होगा। उसे मारा गया था। यह लड़की पटना के गयाघाट रिमांड होम की बतायी गयी।

दसियों साल पहले ऐसी ही कुछ लड़कियों से मेरी संपादक मित्र ने लंबी बातें की थीं। जिनका कहना था, उन्हें शहर के जाने माने, रईस, बड़े लोगों के घरों/गेस्ट हाउसों में जबरन भेजा जाता है। मामले में उच्च अधिकारियों, स्थानीय नेताओं और दबदबा रखने वालों का पूरा जाल था। समाजसेविका और नारी उत्थान वाली बहनजीयां भी इसमें शामिल थीं। लड़कियों के साथ मार पीट होती है। उन्हें अलग-अलग तरह के पुरुषों के साथ दैहिक रिश्ता बनाने को मजबूर किया जाता है। वे नानुकर नहीं कर सकतीं। विरोध करने वालियों को पीटा जाता है, जबरन नशे कराये जाते हैं। इस तफ्तीश में यह भी निकला कि कुछ मासूम बच्चियां यौन आक्रमणों के दरम्यान मर जाती हैं या मौत के मुहाने चली जाती हैं। उन्हें बीमारी या आत्महत्या के नाम पर फूंक दिया जाता है। बड़े अधिकारियों के यहां ये घरेलू कामकाज के लिए रेती जाती हैं। सरकार के मंत्री के यहां का एक मामला कई साल पहले तूल पकड़ा था। जिसे बाकायदा दबा दिया गया। दुनिया भर की मन की बातें करने वाले भी इन गंभीर मसलों से मुंह फेर लेते हैं। सुधार गृहों में रहने वाली लड़कियां अजायबघरों में बन्द जीवों की तरह बेहद सहमी और डरी नजर आती हैं मगर इससे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे परिचित बाल सुधार गृह के निरीक्षक थे। उनके घर पर हमेशा नाबालिग बालक/ बालिकाओं को हम काम पर जुटा देखते थे। वे सिर्फ साफ सफाई ही नहीं करते बल्कि घर के सारे काम उन्हीं के जिम्मे थे। वे सभी अधिकारियों के यहां काम पर लगाये जाते थे। उनके चेहरे पर फैली दहशत आज भी याद है मुझे। परिचित के जवान लड़के, उनके साथ अमानवीय बर्ताव करते थे। वे खुद उनसे घंटों बदन दबवाते और तेल मालिश कराते। कई साल पहले, बहुत नामी यतीमखाने में रहने वाली कुछ लड़कियों से जब मैंने बात करनी चाही तो अनुमति लेने में ही कई चप्पलें घिस गयीं थीं। बाद में, लड़कियों को उस्तादनियों के सामने जवाब देने को मजबूर किया गया। सीनियरों के सामने नयी और छोटी लड़कियों को ना बैठने की इजाजत थी, ना बोलने की। वे आंखे और गर्दन झुका ही सांकेतिक रूप में बोलती रहीं। यह सस्पेंडेड थानेदार बेशक, जैसा भी बन्दा हो, पर उसका जमीर जिन्दा है। जो उसने नाबालिग के पक्ष में बोला। हैरत है, जिन्होंने उसकी हिदायत को वायरल किया। जिन्हें नाबालिग से ज्यादा यह सलाह खौफनाक लगी। कब तक, सुधारों के नाम पर भी उत्पीड़न ही झेलती रहेंगी बच्चियां। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

13 अप्रैल-19 अप्रैल)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- दयालु और उदार बने रहकर प्रियजनों के और करीब जाएंगे। बच्चे लक्ष्य हासिल करेंगे। व्यवसाय आगे बढ़ेगा, संघर्ष नहीं करना होगा। अतीत को लेकर ज्यादा संवेदनशील हैं और ज्यादा उत्साहित हो सकते हैं। भीतर संतुलन हासिल कर सकें। ऊर्जा और धन को बचाएं। बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

वृषभ (21अप्रैल-21मई)- जीवन में ऐसे समय आते है, जब पीछे हटना चाहिए और निर्णयों की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए, यह वही समय है। उन लोगों की बात न सुनें, जो भटकाकर वास्तविक लक्ष्य से दूर ले जाना चाहते हैं। नकारात्मक और ईष्यालु साथियों से दूर रहें।

मिथुन (22मई -21जून)- कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर क्या कमा रहे हैं ओर किस प्रकार से अपना व्यवसाय आगे बढ़ाएंगे। ध्यान रखना जरूरी है की भविष्य में किसी प्रकार का षड्यंत्र न हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। काम से जुड़ी उलझने हो सकती हैं। सावधान रहना बेहद आवश्यक रहेगा।

कर्क (22जून-22जुलाई)- स्टाफ और वित्त का प्रबंधन बहुत बढ़िया ढंग से करेंगे। जब चीजें मुश्किल होती हैं, तो सतर्क एवं मजबूत रहते हैं। रिश्तों को लेकर भावनाओं और अहसास की कमी है। भावनाओं को अभिव्यक्त करने की कोशिश करें। साहसिक गतिविधियों का आनंद लेंगे।

सिंह (23जुलाई-21अगस्त)- सुरक्षित और प्रसन्न महसूस करेंगे। हर पल का आनंद लें और सपनों को पूरा करने के लिए जुट जाएं। विचारों को सही जगह पर व्यक्त करें। इससे फायदा होगा। सफलता का जश्न मनाने का पूरा मौका मिलेगा। सोच को जितना विस्तार देंगे, उतना ही फायदे में रहेंगे। प्यार और रिश्ते आपके लिए सबसे ज्यादा अहम रहेंगे। करियर अच्छा रहेगा। किसी अहम प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे। प्रमोशन इंक्रीमेंट मिलने की सम्भावना है।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- यदि लक्ष्य की ओर नहीं जा रहे हैं तो तरीके और काम पर पुनर्विचार करें। यह बड़ा फायदा दिलवाएगा और लक्ष्य तक पहुंचाएगा। परिवार और सेहत पर ध्यान दें। सोच समझकर निर्णय लें। दिमाग को शांत रखने की कोशिश करें, इससे कई समस्याओं के हल आसानी से मिल जाएंगे। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा। आलस से बचें।

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- शारीरिक कष्ट और पीड़ा का अनुभव हो सकता है, मानसिक रूप से खुद पर बहुत दबाव डाला है, यह ब्रेक लेने और दिमाग और मांसपेशियों को आराम देने का समय है। नकारात्मक प्रभाव से लड़ना चाहिए और खुद पर विश्वास रखना चाहिए। भावनात्मक रूप से ना उलझें और व्यवहारिक निर्णय लें।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)- असीम संतुष्टि महसूस करेंगे। संघर्ष के बाद भौतिक लाभ व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। अवसरों का स्वागत करेंगे। निजी सम्बन्ध में प्रेम विश्वास व सहयोग रहेगा। सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा। मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)- करियर में सिखने वाला दौर होगा। मेहनत और लगन को अपने काम में लगाएंगे, जो बेहतर परिणाम लाएगा। प्रतिबद्धता गुणवत्ता तय करेगा। वित्तीय स्थिति अच्छी रहेगी। श्रमसाध्य काम के लिए पदोन्नित या वेतन वृद्धि मिल सकती है। विवाह योग्य जातक जातिकाओं के विवाह का योग बन रहा है।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- प्रियजनों के साथ भावनाओं को साझा करें और यदि परिवार के बीच गलतफहमी हो रही है तो दूर करने का प्रयास करें। कार्यो और विचारों को सकारात्मक रखें और करियर को लेकर असमंजस्य में ना रहें। कोर्ट कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने का योग है। घर अथवा वाहन खरीदने का योग बन रहा है। कोई भी निर्णय लेने से पहले गहन विचार अवश्य करें।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- घर या बाहर कहीं भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है। समय पर काम पूरा करने का तनाव बना रहेगा। ऐसे में सेहत का भी ख्याल रखना होगा। किसी नई योजना में धन निवेश करते समय सलाह अवश्य लें।

मीन (29 फरवरी -20मार्च)- कोई नया कार्य आरम्भ हो सकता है, अपनी इच्छाशक्ति मजबूत करें सफलता मिलेगी। फालतू खर्चो से बचे। सेहत के प्रति सचेत रहें। महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ समय बिताए। खास काम प्रतिष्ठा और अच्छे प्रदर्शन का मौका देगा।

मौसम के अनुसार खान-पान

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

इस साल कड़ाके की ठंड पड़ी। कहा जा रहा था कि इतनी भीषण ठंड पहले कभी नहीं पड़ी। और अब गरमी से सब बेहाल हैं। जब अभी से यह हाल है, तो आगे क्या होगा, सोच रहे हैं। पिछले दिनों बताया भी गया था कि एक सौ बाईस साल में मार्च इतना गरम रहा। यह खबर पढ़कर यह भी लगा कि बढ़ती गरमी और अधिक सर्दी का कारण ग्लोबल वार्मिंग को बताया जाता है। तब एक सौ बाईस साल पहले इतनी गरमी किस कारण पड़ी होगी। तब तो ग्लोबल वार्मिंग नहीं थी। खैर, बढ़ती गरमी को देख जो बात दिमाग में आ रही है कि हमारे यहां मौसम और समय के अनुकूल खान-पान का चुनाव करने के लिए कहा जाता था। जैसे रात में दही खाना मना था। मूली का प्रयोग वर्जित था। दूध के साथ पानी वाले फल यथा तरबूज, खरबूज, खीरा, ककड़ी आदि का निषेध था। दही के साथ भी खट्टी चीजों की मनाही थी। इसी प्रकार किस मौसम में क्या खाना है, यह घर-घर में पता था। इसके अलावा गरमी में सिर ढककर रखें। घर से बाहर निकलते वक्त तो पेट भरकर पानी पीकर जाएं, लेकिन अगर धूप में पसीने से सराबोर हों, तो न तो पानी पिएं और न ही पंखे के नीचे खड़े हों। आज पंखा तो छोड़िए धूप से आते ही लोग एसी में बैठ जाते हैं। इस तरह की लापरवाहियों से तरह-तरह के रोगों के शिकार होते हैं।

सर्दियों में छाती, माथा, नाक कान को ढककर रखने की बात कही जाती थी। पुराने जमाने में जब किसान सवेरे-सवेरे खेतों पर जाते थे, तो इसी तरह सर्दी से बचाव करते थे। इसी तरह के बचाव खान-पान के बारे में भी था। सर्दियों में ठंडी चीजें नहीं खानी हैं। रात में आइसक्रीम नहीं खानी चाहिए। दही भी नहीं। अधिक तेल-मसाले के मुकाबले हल्का भोजन करना चाहिए। गरमियों में बाजरे के बारे में कहा जाता था कि वह कड़वा हो जाता है। बहुत गरम भी इसलिए न केवल बाजरा बल्कि गुड़, मूंगफली, खजूर, पिस्ते, चिलगोजे, कुट्टू का आटा, अदरक आदि चीजें नहीं खानी चाहिए। अगर खाएं भी तो बहुत कम मात्रा में। लेकिन जैसे-जैसे जीवन बदला है, खान-पान की हमारी आदतें भी बदल गई हैं। आजकल आर्युवेद के नाम पर भी वेशुमार विशेषज्ञ पैदा हो गए हैं। वे अपने लेखों में, फेसबुक पर, अपने अपने यू ट्यूब चैनल्स आदि पर तरह-तरह की सलाह देते रहते हैं। पता नहीं वे अपनी दी सलाहों पर खुद कितने खरे उतरते हैं। वजन को कम करने वाले भी ऐसी ही सलाह देते हैं। वे कभी नहीं बताते कि किस अनाज, फल, सब्जियों को कब और कितनी मात्रा में खाना चाहिए। कैसे खाना चाहिए। कौन सी चीज किसके लिए हानिकारक है। अजीब किस्म की भेड़चाल दिखाई देती है। बहुत-से युवा भी इनसे ज्ञान प्राप्त करके, प्रेरणा लेकर, बिना सोचे-समझे इसी तरफ दौड़ लगाते हैं। अपने घर की बुजुर्ग स्त्रियां अगर इस बारे में बताएं भी, तो सुनते नहीं। पिछले दिनों किसी ने बताया था कि एक लड़के ने ढेर सारे बिलगोजे खा लिए और उसकी नाक से खून बहने लगा था। जबकि उसकी मां उससे मना करती रही थी कि गरमियों में इन्हें नहीं खाना चाहिए। मौसम के अनुसार खान-पान यों ही नहीं विकसित हुआ। इसमें बीसियों पीढ़ी के द्वारा अनुभव जन्य ज्ञान समाहित था। लेकिन घर के अनुभव को मानने के मुकाबले हमें किसी तथाकथित एक्सपर्ट की राय का ज्यादा भरोसा होता है। जो इसकी मोटी फीस भी वसूलता है। इन दिनों अकसर देखती हूं कि इस तरह की चीजों के बारे में न तो कोई जानता है, न ही पारंपरिक ज्ञान के प्रति कोई आदर का भाव है। इसे बुढ़िया पुराण और पिछड़ापन माना जाता है। ■

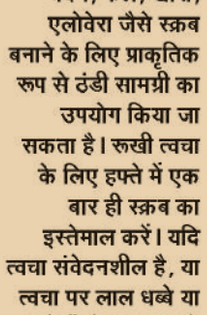

गर्मियों के दौरान त्वचा को तरोताजा और ग्लोइंग बनाने के लिए स्क्रब एक अच्छा विकल्प है। बंद रोमछिद्रों को तेल से मुक्त रखने में स्क्रब बड़ी भूमिका निभाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स और पिंपल्स नहीं होते हैं। कुछ स्क्रब जैसे नीबू के रस, नीबू के छिलके, दही, दूध, हल्दी, पिसे हुए बादाम से बने हुए होते हैं जो त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने में मदद करते हैं। गर्मियों में, मुल्तानी मिट्टी, गुलाब जल, चंदन, फल, खीरा, एलोवेरा जैसे स्क्रब बनाने के लिए प्राकृतिक रूप से ठंडी सामग्री का उपयोग किया जा सकता है। रूखी त्वचा के लिए हफ्ते में एक बार ही स्क्रब का इस्तेमाल करें। यदि त्वचा संवेदनशील है, या त्वचा पर लाल धब्बे या दाने हैं तो स्क्रब करने से बचें। सामान्य से तैलीय त्वचा के लिए, स्क्रब का अधिक बार उपयोग किया जा सकता है।

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

गर्मियों के कूल फेस स्क्रब

तैलीय त्वचा के लिए

- ओटमील को अंडे की सफेदी के साथ मिलाएं और लगाएं। जब यह सूख जाए तो पानी से गीला कर ले और हल्के हाथों से गोलाकार घुमाते हुए रगड़े, पानी से धो लें। अंडे की सफेदी और ओटमील दोनों ही आयलीनेस को कम करने में मदद करते हैं।
- एक भाग चावल के आटे में 2 भाग बेसन मिलाएं। दही और थोड़ी हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। शरीर पर लगाएं 10 मिनट के लिए छोड़ दें। त्वचा पर धीरे से रगड़ें और पानी से धो लें।
- पपीते में पपैन नामक एंजाइम होता है, जो मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है। पपीते में ओट्स और दही मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और त्वचा पर धीरे से रगड़ें, पानी से धो लें।
- एक भाग मोटे पिसे हुए बादाम और एक भाग दही लें। थोड़ी सी हल्दी डालें। शरीर पर लगाएं। 5 मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़ें और फिर पानी से धो लें।
- तिल, सूखे पुदीना के पत्ते और शहद लें। तिल को दरदरा पीस लें और सूखे पुदीने के पत्तों का पाउडर बना लें। इनमें थोड़ा सा शहद मिलाकर त्वचा पर लगाएं। 5 मिनट के लिए छोड़ दें। धीरे से रगड़ें और पानी से धो लें। तिल के बीज में वास्तव में सूर्य सुरक्षात्मक गुण होते हैं और यह सूर्य से क्षतिग्रस्त त्वचा को भी यह ठीक करता है।
- पिसे हुए बादाम को दही में मिला लें। चेहरे पर लगाएं। इसे 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी से गीला करें धीरे से रगड़ें और फिर पानी से धो लें।

- सूखे और पिसे हुए नीबू और संतरे के छिलके, सूखे और पीसे हुए पुदीना (पुदीना) के पत्तों के साथ चेहरे पर चमक लाने के लिए स्क्रब में मिलाया जा सकता है। दरअसल, पुदीना त्वचा को साफ रखने और गर्मियों में फटने से बचाने में भी मदद करता है। मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। फिर धीरे से रगड़ें और पानी से धो लें।
- एक कप जैतून का तेल लें और उसमें एप्सम साल्ट या चीनी मिलाएं। थोड़ा कसा हुआ नींबू का छिलका डालें। चेहरे पर लगाएं फिर पानी से धो लें। ■

केसर स्ट्राबेरी कुल्फी

सामग्री- फूल क्रीम दूध दो लीटर, मिल्क मेड 50 ग्राम, स्ट्राबेरी 8-10, चीनी एक कप, आधा कप भुना हुआ बादाम, 4-5 केसर, इलायची पाउडर आधा चम्मच।

विधि- एक कटोरी में स्ट्राबेरी बीज निकालकर एक कप दूध के साथ मिक्सी में पीस लें। मीडियम आंच पर दूध को बर्तन में उबाल लें। जब दूध उबल कर आधा हो जाए तब उसमें चीनी, बादाम , मिल्क मेड, स्ट्राबेरी का मिश्रण, इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं। जब दूध गाढ़ा होने लगे तो आंच बंद कर दें। कुल्फी का मिश्रण तैयार हो गया। अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालकर फ्रिज में 7-8 घंटों के लिए जमने रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से निकालें। स्ट्राबेरी कुल्फी तैयार है। प्लेट में निकाल कर केसर से सजाकर सर्व करें।

अमृतसरी नान

सामग्री- मैदा 500 ग्राम, दही 50 ग्राम, बेकिंग पाउडर एक चम्मच, दूध एक कप, कलौंजी चुटकी भर, चीनी दो चम्मच, नमक स्वादानुसार, बेकिंग सोडा एक चम्मच, तेल आवश्यकतानुसार।

विधि- सबसे पहले बाउल में मैदा, नमक, चीनी, सोडा, दो चम्मच तेल डालकर मैदे को अच्छी तरह मिलाएं। फिर गरम दूध डालकर मैदा को मुलायम गूंथ लें। गूंथे हुए आटे में तेल लगाएं फिर पतला कपड़े से ढंककर एक घंटे के लिए छोड़ दें। नियत समय के बाद गूंथे हुए आटे से छोटे-छोटे लोईयां बनाएं। अब बेलन से लोईयो को फैलाएं। ब्रश की सहायता से बेले हुए परत पर तेल लगाएं और इसे एक चौथाई के भाग में लपेट लें और सभी मोड़ पर तेल लगाएं। दो-चार कलौंजी के दाने डालें और फिर उसे नान के आकार में बेल डालें। इसी तरह से कई नान बेल लें। अब तवा गरम करें। नान के ऊपर के हिस्से में पानी का छींटा लगाएं। दोनो तरफ उलट पुलट कर 20-30 सेकेंड तक सेंके। तैयार हो गया अमृतसरी नान मनचाही सब्जी और दही के साथ परोसें।

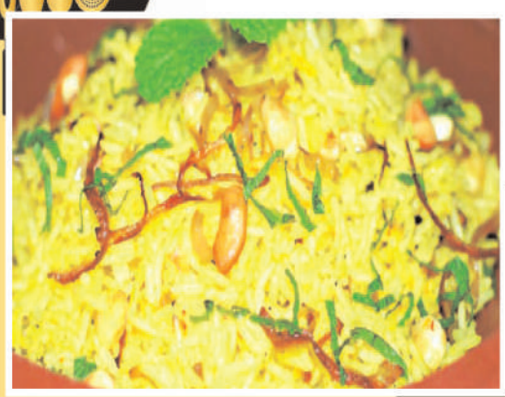

केसरी पुलाव

सामग्री- 500 ग्राम बासमती चावल, 3-4 लौंग, हरी इलायची, दालचीनी, 5-6 केसर के लच्छे, एक चुटकी पीला फूड कलर, दो चम्मच चीनी, काजू, बादाम, किशमिश, पिस्ता 8-10 कटा हुआ,100 ग्राम खोया, 2 चम्मच नारियल कद्दूकस किया हुआ, एक चुटकी आरेंज फूड कलर, एक चम्मच गुलाब जल, घी आवश्यकतानुसार।

विधि- सबसे पहले बासमती चावल को आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दे। फिर उसे अच्छे से धोकर रख लें। एक भगोने में जरूरत के अनुसार पानी डाल कर उसमें फूड कलर और लौंग डालकर उबलने दे। 10 मिनट उबलने के बाद उसमें चावल डाल दें। जब चावल पक जाए तो पानी निकाल कर इसे अलग प्लेट मे फैलाकर रखे। अब पैन मे घी डालकर गरम करें। उसमे इलायची, चीनी, बादाम, पिस्ता, पीला रंग, केसर, नारियल और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गैस को धीमा कर दें, ऊपर से ढक्कन भी लगा दें। कुछ देर बाद ढक्कन हटाएं आंच थोड़ी तेज करें। थोड़ी देर चावल को पकाएं, 10 मिनट बाद आंच बंद कर दें। ऊपर से गुलाब जल और खोया डालकर मिक्स करें। तैयार हो गया केसरिया पुलाव। काजू के टुकड़ों से सजाकर सर्व करें।

5 साल में बीजेपी एमएलसी 7 से 67 हुए सपा से छिनेगी नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी

जुलाई में विधान परिषद में तगड़ा झटका लगेगा, जब नेता प्रतिपक्ष का पद भी सपा से जाएगा

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी ने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी का रिकार्ड बनाया तो अब विधान परिषद में पूर्ण बहुमत हासिल कर इतिहास बनाया है। यूपी के स्थानीय निकाय क्षेत्र की 36 एमएलसी सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी 33 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही, दो सीटों पर निर्दलीय जीते और एक सीट पर राजा भैया की जनसत्ता पार्टी ने कब्जा जमाया। वहीं, सपा का खाता भी नहीं खुल सका और अब जुलाई में उसे विधान परिषद में तगड़ा झटका लगने जा रहा है, जब उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष का पद भी उसके हाथ से चला जाएगा। साल 2017 में योगी जब पहली बार यूपी के सीएम बने थे तो उस समय विधान परिषद में बीजेपी के महज 7 सदस्य थे और सपा प्रचंड बहुमत के साथ सबसे बड़ा दल था। उसके बाद सूबे में जैसे-जैसे एमएलसी के चुनाव होते गए बीजेपी के विधान परिषद सदस्यों की संख्या बढ़ती गई। इसकी वजह यह रही कि कई बार कार्यकाल पूरा होने के चलते तो कभी सपा के सदस्यों के इस्तीफा देने के कारण विधान परिषद में बीजेपी का कद बढ़ा। पांच साल पहले विधान परिषद में बीजेपी के महज सात सदस्य थे, जो अब स्थानीय निकाय की 36 सीटों के बाद बढ़कर 67 पर पहुंच गए

हैं। वहीं, सपा के सदस्यों की संख्या घटकर 17 हो गई है। ऐसे में अब छह जुलाई के बाद सपा से उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष का पद भी छिन जाएगा, क्योंकि सपा के 17 सदस्यों में से 12 सदस्यों का कार्यकाल इसी साल छह जुलाई तक अलग-अलग समय पर समाप्त हो रहा है। इनमें से ज्यादातर सीटें सत्ताधारी बीजेपी के खाते में जानी हैं, जिसके चलते उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी जानी तय मानी जा रही।

विधानमंडल के किसी भी सदन में नेता प्रतिपक्ष का पद विपक्ष में सबसे बड़े दल को मिलता है, लेकिन इसके लिए दल की न्यूनतम 10 प्रतिशत सीटें जरूरी हैं। सपा के पास मौजूदा समय में 17 एमएलसी हैं, जिनमें से 12 सदस्यों का कार्यकाल 6 जुलाई तक खत्म हो रहा है। इसी 28 अप्रैल को सपा के द्वारा राज्यपाल कोटे से नामित एमएलसी बलवंत सिंह रामूवालिया, वसीम बरेलवी और मधुकर जेटली का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। इसके बाद 26 मई को भी राज्यपाल कोटे से नामित तीन एमएलसी राजपाल कश्यप, अरविंद कुमार व संजय लाठर का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। राज्यपाल कोटे की छह सीटों पर अब योगी सरकार अपने नेताओं व कार्यकताओं को नामित करेगी।

वहीं, जुलाई में विधानसभा कोटे की 13 सीटें रिक्त हो रही हैं, जिनमें सपा के छह सदस्य, बसपा के तीन, कांग्रेस के एक और तीन बीजेपी के सदस्य हैं। सपा के विधान परिषद सदस्य जगजीवन प्रसाद, कमलेश कुमार पाठक, रणविजय सिंह, शतरुद्र प्रकाश (अब भाजपा में), बलराम यादव व राम सुंदर दास निषाद का भी कार्यकाल भी खत्म हो जाएगा। यह सभी छह सदस्य विधानसभा कोटे से एमएलसी हैं। छह जुलाई में सपा के पांच सदस्य नरेश चन्द्र उत्तम, राजेंद्र चौधरी, आशुतोष सिन्हा, डा। मान सिंह यादव और लाल बिहारी यादव रह जाएंगे। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष रहे अहमद हसन के निधन के कारण व विधायक बने ठाकुर जयवीर सिंह के एमएलसी पद से त्यागपत्र देने की वजह से दो सीटें पहले से रिक्त हैं। इन दोनों ही सीटों पर बीजेपी आसानी से जीत लेगी। यूपी में विधानसभा कोटे वाली एमएलसी के लिए एक सीट के लिए 31 विधायकों के मत जरूरी हैं।

यूपी में धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं कोरोना के केस, नए वैरिएंट पर अलर्ट

लखनऊ। यूपी में कोरोना के केस धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। लखनऊ में एक महिला डॉक्टर कोरोना की चपेट में आ गई, जो पिछले कई दिनों से सर्दी जुकाम की शिकार थी। इसके बाद उसने अपनी जांच कराई। कोरोना पॉजिटिव आई महिला कानपुर रोड स्थित अस्पताल में डॉक्टर है। महिला समेत लखनऊ में कोरोना के तकरीबन 20 सक्रिय मरीज हैं। कानपुर रोड स्थित लोकबंधु अस्पताल की महिला डॉक्टर ने कोरोना की शंका पर जांच एंटीजेंट कराई गई है, जिसके आधार पर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। रिपोर्ट के बाद ओपीडी को सैनिटाइज कर दिया गया है। कोविड-19 का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। चिकित्सा अधीक्षक अजय शंकर त्रिपाठी के मुताबिक, महिला डॉक्टर की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर ओपीडी सेनेटाइज कर दिया गया है हालांकि नए वैरियंट के बारे में सभी डॉक्टरों को नोटिफिकेशन दे दिया गया है। अब महिला डॉक्टर का आरटी-पीसीआर टेस्ट कराया जा रहा है,

जिसकी रिपोर्ट जल्द आ सकती है। इससे पहले नोएडा के तीन प्राइवेट स्कूल में 15 बच्चे और तीन टीचर कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है। सीएमओ की तरफ से अपील की गई है कि लोग कोरोना गाइडलाइन का पालन करें और मास्क लगाएं। इन स्कूलों में ऑफलाइन क्लास बंद कर ऑनलाइन शुरू कर दी गई हैं। 11 अप्रैल को नोएडा सेक्टर 40 के खेतान पब्लिक स्कूल में एक साथ कोरोना के 13 मामले सामने आए, जिसमें बच्चों के साथ 3 टीचर संक्रमित थे। इतने सारे मामलों को देखते हुए स्कूल मैनेजमेंट ने फिलहाल स्कूल को बंद कर दिया है। स्कूल प्रबंधन ने ऑफलाइन पढ़ाई पर रोक लगा दी है। जिले में कुल 24 घंटे में 20 कोरोना संक्रमित मिले थे। इस बीच स्कूल प्रबंधन की तरफ से गाइड लाइन जारी की गई है कि अगर किसी भी बच्चे में सिंपटम्स दिखे तो तत्काल टेस्ट कराएं। सीएमओ डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि हमने जांच शुरू कर दी है। वहीं लोगों से अपील है कि कोरोना के प्रति सतर्क रहें और सभी सावधानियां बरतें और मास्क का इस्तेमाल करें।

शादी से इनकार पर लड़की के मुंह पर पैर रखकर मार दी गोली

आगरा। आगरा के एत्मादुद्दौला क्षेत्र में 11 दिन पहले सिरफिरे आशिक ने शादी से इनकार करने पर युवती को गोली मारी थी। बीते 10 दिन से पुलिस को परेशान कर रहे सिरफिरे को सोमवार को पुलिस ने दो साथियों के साथ दबोच लिया। गोली मारने में इस्तेमाल की गई देसी पिस्टल भी पुलिस ने बरामद कर ली है। एत्मादुद्दौला क्षेत्र में थाने के सामने स्थित बस्ती में एक अप्रैल को सुबह सिरफिरे आशिक ने युवती को छत पर घसीटकर उसका सिर दीवार में मार दिया था। इसके बाद युवती के मुंह पर पैर रखकर उसके पेट में गोली मार दी थी। युवती की मां ने फतेहाबाद निवासी देव गुर्जर उर्फ नेहरू के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित के साथ उसके दोस्त भी आए थे। दो साथियों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। एसओजी ने राजस्थान और मध्यप्रदेश में दबिश दी थी, वह हाथ नहीं आया। देव उर्फ नेहरू ने बताया है कि वह युवती से प्यार करता था। मगर, युवती ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया था। इसलिए उसे मारने की साजिश रची थी। देव की साजिश में उसके दोस्त अरविंद बघेल, सूरज बघेल, रघु ठाकुर और अमित सविता शामिल थे। 31 मार्च को सभी इकट्ठे हुए थे। इसके बाद एक अप्रैल को सुबह अमित, अरविंद बाइक से और नेहरू अपने साथ रघु और सूरज को ऑटो से लेकर वहां पहुंचा था। चारों साथी मदद के लिए युवती के घर के बाहर खड़े रहे। देव गुर्जर पड़ोस के निमार्णाधीन घर से चढ़कर युवती के घर की छत पर पहुंच गया। इसके बाद युवती को छत पर बने कमरे से खींचकर गोली मार दी।

रामपुर में युवक की हत्या के ढाई घंटे बाद ही आरोपी का घर ढहाया

सैदनगर। रामपुर में दिनदहाड़े पूर्व प्रधान पर जानलेवा हमला किया गया। हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की जिसमें गोली पूर्व प्रधान के भतीजे को लग गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। बचाने की कोशिश में एक पड़ोसी को भी गोली लगी है। हमले में पूर्व प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें गंभीर हालत में मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। उधर, मौके पर पहुंचे अफसरों ने सख्ती दिखाते हुए तहरीर के आधार पर गांव के ही चार आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलवा दिया। घटना थाना टांडा क्षेत्र के लालपुर कला गांव की है। पूर्व प्रधान हाजी हारून ठेकेदार सुबह घर के बाहर बैठे हुए थे। आरोप है पड़ोस के घर में पहले से ही घात लगाए बैठे चार लोगों ने पूर्व प्रधान पर फायरिंग कर दी। गर्दन और कमर में गोली लगने के बाद पूर्व प्रधान जमीन पर गिर गए। फायरिंग की आवाज सुन पूर्व प्रधान का भतीजा मोहम्मद वसीम बदमाशों को ललकारने लगा। बेखौफ बदमाशों ने भतीजे पर भी फायरिंग कर दी। सिर में गोली लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी दो बाइकों पर बैठकर फरार हो गए। लालपुर कला में दिनदहाड़े मर्डर की सूचना मिली तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस के आला अफसर गांव पहुंच गए। वसीम का शव पोस्टमार्टम के लिए पुलिस अस्पताल भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल हाजी हारून ठेकेदार को जिला अस्पताल भर्ती कराया। वहां से उन्हें मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। रामपुर के पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने कहा कि लालपुर कला में फायरिंग के दौरान तीन लोगों को गोली लगी है। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमों का गठन किया गया है। आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

लालपुर कला में हत्यारोपियों पर तत्काल कार्रवाई शुरू करा दी गई है। एसपी के साथ गांव पहुंचे पुलिस के अन्य अफसरों ने जेसीबी मंगवा कर चलवाई। इस दौरान आरोपियों के घरों को जमींदोज कर दिया गया। आरोपियों पर कार्रवाई से ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। लालपुर कला में योगी सरकार में जीरो टालरेंस का प्रतीक बना बुल्डोजर हत्यारोपियों के घरों पर गरजा। वह भी ढाई घंटे के अंदर। एसपी के साथ गांव पहुंचे पुलिस के अन्य अफसरों ने करीब साढ़े 12 बजे जेसीबी मंगवा ली। कार्रवाई से पहले गांव के सभी मार्गों को पुलिस लगाकर नाकाबंदी कर दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह के दिशा निर्देश पर बुलडोजर आरोपियों के घरों पर पहुंच गया। आरोपियों के घरों के आसपास पहले ही बड़ी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई थी। देखते ही देखते आरोपियों के घरों को जमींदोज कर दिया गया। आरोपियों के घरों पर बाबा का बुलडोजर चलने से पीड़ित पक्ष और अन्य ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह ने बताया आरोपियों पर कार्रवाई शुरू करा दी गई है। किसी भी आरोपी के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए हैं 5 टीमों का गठन किया है। टीमों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को ताबड़तोड़ दबिश देना शुरू कर दी है। लालपुर कला में पूर्व प्रधान एवं उसके भतीजे समेत 3 को गोली लगने के बाद पुलिस में हड़कंप मच गया था।

आठ और स्कूली बच्चों को हुआ कोरोना, आनलाइन चलेंगी कक्षाएं

नोएडा। नए वैरिएंट की आशंका के बीच जिले में एक बार फिर से बच्चे कोरोना संक्रमण की चपेट में आने लगे हैं। आठ और बच्चों के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी सामने आई है। इससे जिले में अब कुल सक्रिय केसों में 15 बच्चे शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, जेवीएम ग्लोबल स्कूल, श्रीराम मिलेनियम स्कूल के एक-एक बच्चे सहित अन्य स्कूलों के कुल आठ बच्चों के पाजिटिव होने की पुष्टि की है। जिला सर्विलांस अधिकारी मनोज कुशवाहा का कहना है कि कोरोना जांच रिपोर्ट में आठ स्कूली बच्चे भी हैं। इनमें से दो बच्चों ने टीका लिया है। खेतान पब्लिक स्कूल के भी जिन बच्चों की रिपोर्ट पाजिटिव आई है, उन्होंने अपनी जांच अलग-अलग दिन कराई थी। इनमें आधे बच्चे स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, अन्य की हालत भी सामान्य है। किसी को कोविड केयर में रखने के जरूरत नहीं पड़ी है।

सीएमओ डा सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि खेतान स्कूल के 13 बच्चे और तीन अध्यापक के संक्रमित होने की सूची स्कूल प्रबंधन की ओर से प्राप्त हुई थी। प्रबंधन ने एहतियातन स्कूल को 17 अप्रैल तक बंद कर दिया है। हालांकि आनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की किस लैब में जांच हुई है, इसकी जानकारी की जा रही है। वर्तमान में लक्षण वाले मरीजों की जांच की जा रही है। अन्य स्कूलों को सतर्कता बरतने के निर्देश हैं। निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के संक्रमित मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से एहतियातन ऐसे बच्चों की क्रास जांच कराने वालों की तैयारी की जा रही है।

जॉब कार्ड की जांच में 384 डुप्लीकेट और 923 मिले मृतक

मैनपुरी। गांव में ही श्रमिकों को रोजगार देने के लिए संचालित मनरेगा योजना में मुख्य विकास अधिकारी ने जॉब कार्डधारकों के सत्यापन के आदेश दिए थे। अब तक 20 प्रतिशत ग्राम पंचायतों के सत्यापन में 384 डुप्लीकेट तो वहीं 923 मृतकों के जॉब कार्ड सक्रिय मिले। इन सभी को डाटाबेस से हटा दिया गया है।मनरेगा में जॉबकार्ड के नाम पर फर्जी भुगतान करने की शिकायतों के चलते मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार ने जिले के नौ ब्लॉकों की सभी 549 ग्राम पंचायतों में जॉब कार्डधारकों का सत्यापन कराने के आदेश दिए थे। ग्राम पंचायत सचिवों के माध्यम से ये सत्यापन कराया जा रहा है। अब तक 113 ग्राम पंचायतों में सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इसमें 384 लोग ऐसे मिले जिनके दो जॉब कार्ड जारी थे। वहीं 923 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वही अन्य ग्राम पंचायतों में भी तेजी से सत्यापन करने के लिए पंचायत सचिवों को आदेशित किया गया है।

डीजीसीए ने 90 पायलटों को बोइंग 737 मैक्स उड़ाने से रोका फिर होगी ट्रेनिंग

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 90 स्पाइसजेट पायलटों को उचित ट्रेनिंग से गुजरने तक बोइंग 737 मैक्स उड़ाने से रोक दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सिम्युलेटर ट्रेनिंग में खामियों का पता लगाने के बाद यह कदम उठाया। इन पायलटों को नोएडा में एक फैसिलिटी में सिम्युलेटर ट्रेनिंग दी गई थी। इन (90) पायलटों को बोइंग 737 मैक्स उड़ाने से रोक दिया गया है। उन्हें डीजीसीए की संतुष्टि के लिए फिर से ट्रेनिंग से गुजरना होगा। यही नहीं, इस कथित चूक के बाद एयरलाइन का पायलट प्रशिक्षण भी नियामक की जांच के दायरे में है। डीजीसीए द्वारा लिए गए एक्शन की पुष्टि करते हुए, स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने कहाः डीजीसीए ने 90 पायलटों के प्रशिक्षण प्रोफाइल पर एक अवलोकन किया था। इसलिए डीजीसीए के निदेर्शों के अनुसार स्पाइसजेट ने 90 पायलटों को

मैक्स विमान उड़ाने से रोक दिया है। ये पायलट डीजीसीए की संतुष्टि के लिए फिर से प्रशिक्षण से गुजरेंगे।" स्पाइसेजट एयरलाइन के बेड़े में वर्तमान में 13 बोइंग 737 मैक्स विमान हैं जिनमें से वह 11 का संचालन करती है। एयरलाइन का कहना है कि इन विमानों पर संचालित होने वाली 60 दैनिक उड़ानें प्रभावित नहीं होंगी। स्टिक शेकर' जो कंट्रोल कॉलम को वाइबरेट करता है और जब जेट को उड़ान भरने का जोखिम होता है तो जोर से आवाज भी करता है, वह इन पायलटों को प्रशिक्षण देने के समय सिम्युलेटर में ठीक से काम भी नहीं कर रहा था। लायन एयर और इथियोपियन मैक्स दोनों दुर्घटनाओं में, कई फैक्टर्स के चलते विमान की नाक (आगे का हिस्सा) नीचे की तरफ हो गई थी, जिन्हें बाद में ठीक किया गया था जब मैक्स को वैश्विक ग्राउंडिंग के बाद फिर से उड़ान भरने की अनुमति दी गई थी। मैक्स सिम्युलेटर पर एमसीएएस के लिए सही पायलट प्रशिक्षण इस विमान को सुरक्षित रूप से उड़ाने की कुंजी है।

कुत्ते के भौंकने पर हुआ विवाद परिवार के तीन लोगों को मारी गोली दो आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मधूबन बापूधाम थानाक्षेत्र में कुत्ते के भौंकने के विवाद में दो भाइयों ने डेयरी संचालक और उसके दो बेटों को गोली मार दी। लहूलुहान पिता-पुत्रों को संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से मंगलवार सुबह उन्हें जीटीबी दिल्ली रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। विजयनगर के सर्वोदय नगर निवासी सुशील (40) मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में दुहाई फाटक के पास पशु पालन और डेयरी का काम करते हैं। वह अपने दो बेटों अमन (19) और तरूण (14) के साथ वहीं पर डेयरी में ही झुग्गी डालकर रहते हैं। सुशील ने डेयरी पर कुत्ता भी पाला हुआ है। चार दिन पहले सदरपुर निवासी शिवम उर्फ चवन्नी तथा उसका भाई सत्यम उर्फ अठन्नी डेयरी के पास से गुजरे तो सुशील का कुत्ता उन पर भौंकने लगा था। कुत्ते के भौंकने को लेकर दोनों भाई झगड़ा करने लगे। लोगों ने उस दौरान समझाकर मामला शांत कर दिया।

पूर्व सदर विधायक की अग्रिम जमानत खारिज

मैनपुरी। सपा के पूर्व सदर विधायक राजकुमार यादव उर्फ राजू की अग्रिम जमानत जिला जज अनिल कुमार ने खारिज कर दी है। उनके खिलाफ मतदान के दिन सदर विधानसभा क्षेत्र के ताल दरवाजा मतदान केंद्र पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री के पुत्र पर जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज है।विधानसभा चुनाव में मतदान के दिन 20 फरवरी 2022 को ताल दरवाजा मतदान केंद्र पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के निर्वाचन अभिकर्ता शिवप्रताप सिंह चौहान और पुत्र सुमित प्रताप सिंह पर जानलेवा हमला हुआ था। रिपोर्ट सुमित प्रताप ने थाना कोतवाली में दर्ज कराई थी। इसमें पूर्व विधायक सपा प्रत्याशी राजकुमार उर्फ राजू यादव सहित दस लोगों पर आरोप लगाया गया था। पूर्व विधायक राजू यादव ने अग्रिम जमानत पाने के लिए जिला जज अनिल कुमार की कोर्ट में अपने अधिवक्ता सतेंद्र यादव के माध्यम से आवेदन किया। इसमें कहा कि रिपोर्ट में उनको रंजिश के तहत फंसाया गया है। वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। डीजीसी फौजदारी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने जमानत के आवेदन का विरोध कर-के अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत आवेदन खारिज करने की दलील दी। जिला जज अनिल कुमार ने अग्रिम जमानत खारिज कर दी है।

विधानसभा चुनाव में सदर सीट पर भाजपा से जयवीर सिंह और सपा से राजकुमार यादव उर्फ राजू चुनाव लड़े थे। चुनाव में जयवीर सिंह ने जीत हासिल की थी। जयवीर सिंह के पुत्र सुमित प्रताप द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि 20 फरवरी 2022 की शाम पांच बजे वह पिता के चुनाव अभिकर्ता शिवप्रताप चौहान के साथ मतदान केंद्र पर फर्जी मतदान होने की शिकायत पर पहुंचे। यहां मौजूद राजकुमार उर्फ राजू यादव, किशन दुबे, बंटी यादव, दीपू गोस्वामी, राहुल, अभिमन्यु, दिल्लू कश्यप, अंशुल, दुष्यंत, चंदन गोस्वामी, सूबेदार यादव ने एक राय होकर ईंट, पत्थर, डंडे से जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया।

सीएम योगी को गोलियों की धमकी देने वाले सपा विधायक शहजिल इस्लाम पर और कसा शिकंजा

नई दिल्ली। पिछले दो अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के विधायक शहजिल इस्लाम पर प्रशासन ने शिकंजा और कस दिया है। एक हफ्ते पहले अवैध ढंग से बना उनका पेट्रोल पंप ध्वस्त किया गया था। अब उनके ईंट-भट्ठे पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। सपा विधायक शहजिल इस्लाम और उनके परिवार पर शिकंजा कसता जा रहा है। पेट्रोल पंप को ध्वस्त करने के बाद बीडीए अब उनके अन्य संपत्तियों के अभिलेख भी खंगाल रहा है। फतेहगंज पश्चिमी में एक ईंट भट्ठे के पुराने रिकॉर्ड प्राधिकरण के हाथ लगे हैं। 2009 में इस भट्ठे पर ध्वस्तीकरण के आदेश जारी हुए थे। फतेहगंज पश्चिमी में महजपुर गांव के पास ईंट भट्ठा है, जो शहनीला ब्रिक फील्ड पार्टन इस्लाम साबिर के नाम से अभिलेखों में दर्ज है। प्राधिकरण के अभिलेख में बरेली विकास प्राधिकरण बनाम शहनीला ब्रिक फील्ड पार्टन इस्लाम साबिर के नाम से है।

देवर ने भाभी पर हमला कर किया घायल फिर कर ली आत्महत्या

मधुबन, मऊ। स्थानीय थाना क्षेत्र के धर्मपुर लीलहवा में मंगलवार अपराह्न अज्ञात कारणों को लेकर एक देवर ने अपने सगी भाभी के उपर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। साथ ही पडोस के एक किशोरी को लहू-लुहान कर दिया। इसके बाद खुद

पड़ोस की किशोरी को भी किया घायल

छत में बनें हुक में फांसी का फंदा लगा कर झुल गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक शौरभ राय शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया तथा घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फतहपुर मंडाव में भर्ती कराया जहां भाभी की स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अज्ञात कारणों के चलतें 20 वर्षीय अनरजीत यादव पुत्र परमहंस अपराह्न अपने बड़ी भाभी 28 वर्षीय प्रतिमा यादव पत्नी सतेन्द्र यादव पर कुल्हाड़ी लेकर हमला बोल दिया। भाभी को लहू-लुहान करने के बाद हमलावर बाहर निकला तो पडोस की 14 वर्षीय अंशिका पुत्री सुबाष यादव पर भी हमलावर हो गया तथा लहुलुहान कर दिया। जिससे मौके पर चीख पुकार शुरू हो गई। घटना के समय भाई सतेन्द्र गांव में ही मजदूरी करने गया हुआ था ।घटना को अंजाम देने के बाद अनरजीत घर में घुस कर कमरे को बंद कर लिया। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने जब दरवाजा खोला तो अनरजीत फंदे पर लटका मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक शौरभ राय ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भेज दिया। तथा दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फतहपुर मंडाव में भर्ती कराया। जहां भाभी प्रतिमा की स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक शौरभ राय का कहना है कि प्रथम दृष्टया घटना को देखते हुए मृतक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारण का पता लगाया जा रहा है।

महिला ने तीन बच्चों संग खाया जहर इलाज के दौरान एक बच्चे की हुई मौत

मऊ। कोतवाली अन्तर्गत बोझी क्षेत्र के कुडहनी गांव में घर के आपसी विवाद में सोमवार देर रात एक महिला ने तीन बच्चों के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया। आनन-फानन में परिजनो ने सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां सभी की हालत गंभीर बनी हुई थी। तीनों बच्चों सहित महिला को आईसीयू में रखा गया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली अन्तर्गत बोझी क्षेत्र के कुडहनी गांव निवासी 30 वर्षीय शशि पत्नी गौतम कुमार का सोमवार की देर रात अपने पति से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। उसके बाद महिला ने अपने तीन बच्चों प्रियांशु 10, प्रिया 8 व अविनाश 6 के साथ घर मे गेंहूं में रखा सल्फास खा लिया। कुछ देर बाद चारों की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को इलाज के लिए घोसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने चारों की गंभीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इमरजेंसी मेडिकल यूनिट में आईसीयू में चारों का ईलाज चल रहा है जहां सभी की हालत गंभीर बनी हुई है। मंगलवार की शाम ईलाज के दौरान अविनाश उम्र 6 वर्ष की मौत हो गयी।

कुंडी तोड़कर बर्तन की दुकान से हजारों की चोरी

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के करहां बाजार में रविवार की रात में चोरों ने व्यापारी जगन्नाथ केसरी की दुकान में पीछे से कुंडी तोड़कर दुकान में रखे फूल के थाल सहीत हजारों रुपए के बर्तन को चुराकर फरार हो गए। व्यापारी को इसकी जानकारी सोमवार की शाम को 6 बजे हुई जब वह किसी काम से पीछे गोदाम में गया तो गोदाम की कुंडी टूटी हुई थी और फूल के बर्तन गायब थे। इसकी सूचना उसने पिकेट ड्यूटी पर तैनात सिपाहियों को दी और अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। व्यापारी जगन्नाथ केसरी ने कहां है कि पुलिस सहायता केंद्र खुलने के बाद पुलिस 24 घंटा नहीं रहती है क्षेत्र में गजेड़ीयों और नशेड़ीयो की संख्या काफी बढ़ गई है जिससे आए दिन ऐसी चोरी की घटनाएं क्षेत्र में बढ़ गई हैं।

बोर्ड परीक्षा : हाईस्कूल व इंटर के 12,773 परीक्षार्थी अनुपस्थित

आजमगढ़। यूपी बोर्ड परीक्षा-2022 में मंगलवार को दोनों पालियों में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के विभिन्न विषयों की परीक्षा हुई। जिसमें 12773 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उत्तर पुस्तिकाओं को राजकीय बालिका इंटर कालेज के संकलन केंद्र में कड़ी सुरक्षा में रखा गया। प्रथम पाली हाईस्कूल गणित की परीक्षा में कुल 71,334 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 59,356 उपस्थित और 11978 अनुपस्थित रहे। जबकि इंटरमीडिएट की व्यवसायिक परीक्षा में कुल 814 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे, जिसमें 774 उपस्थित और 80 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट नागरिक शास्त्र की परीक्षा हुई। जिसमें पंजीकृत कुल छह हजार परीक्षार्थियों में 5245 उपस्थित और 755 अनुपस्थित रहे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	4	3	1	6
कोलकाता	5	3	2	6
लखनऊ	5	3	2	6
गुजरात	4	3	1	6
बैंगलोर	5	3	2	6
दिल्ली	4	2	2	4
पंजाब	4	2	2	4
हैदराबाद	4	2	2	4
चेन्नई	5	1	4	2
मुंबई	4	0	4	0

ऑरेंज कैप

जोस बटलर

218 रन

राजस्थान रॉयल्स

पर्पल कैप

युजुवेन्द्र चहल

11 विकेट

राजस्थान रॉयल्स

खबर संक्षेप

जितने अधिक आलराउंडर उतनी ही बेहतरीन टीम

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के शार्दुल ठाकुर का मानना है कि टीम में आलराउंडरों का होना महत्वपूर्ण है क्योंकि जब विशेषज्ञ एक विभाग में विफल होते हैं तो कई कौशल वाले क्रिकेटरों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। दिल्ली की टीम में ठाकुर के अलावा मिशेल मार्श, अक्षर पटेल, ललित यादव और मनदीप सिंह के रूप में कई आलराउंडर मौजूद हैं। शार्दुल ने दिल्ली की टीम की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''हमारी बल्लेबाजी में काफी गहराई है। जितने अधिक आलराउंडर होंगे, टी20 में किसी भी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।''उन्होंने कहा, ''अगर आप शीर्ष क्रम में जल्दी विकेट गंवा देते हैं तो छठे, सातवें और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

बुबलिक ने चोट के बाद वापसी कर रहे वावरिंका को हराया

मोनाको। एलेक्सांद्र बुबलिक ने चोट के बाद वापसी कर रहे स्टेन वावरिंका को मोंटे कार्लो टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन सेट में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। कजाखस्तान के बुबलिक ने 13 महीने में पहला एकल मुकाबला खेल रहे स्विट्जरलैंड के वावरिंका को 3-6, 7-5, 6-2 से शिकस्त दी। वावरिंका के बाएं पैर की दो बार सर्जरी हुई और उन्हें इससे उबरने में महीनों लग गए।

आईपीएल : सत्र के अपने पांचवे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 23 रन से हराया

चार हार के बाद चेन्नई ने बेंगलुरु को हराकर चखा जीत का स्वाद

एजेंसी ▶▶ पुणे

शुरुआती चार मैचों में मिली लगातार हार के बाद चेन्नई सुपर किंग ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 23 रन से हराकर इस सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। पंजाब सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी के सामने 217 रन का टारगेट रखा, जिसके जवाब में आरसीबी की टीम 9 विकेट पर 193 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

शिवम दुबे ने तूफानी पारी खेलते हुए नाबाद 95 रन बनाए, जबकि रॉबिन उथप्पा ने 88 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने भी बतौर कप्तान पहला मैच जीता। वहीं, बेंगलुरु की 5 मैचों में ये दूसरी हार है।

शिवम ने जमकर पीटा गेंदबाजों को

शिवम दुबे ने धमाकेदार बैटिंग करते हुए 46 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाए। चेन्नई की पारी की आखिरी गेंद पर दुबे ने बड़ा शॉट खेला, लेकिन फाफ डु प्लेसिस ने आसान सा कैच ड्रॉप कर दिया। शिवम भले ही शतक पूरा न कर सके हों, लेकिन ये उनके आईपीएल करियर का सबसे बढ़िया स्कोर रहा।

उथप्पा ने लगाई चौकों-छक्कों की झड़ी, जीवनदान मिला

रॉबिन उथप्पा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 27वां अर्धशतक पूरा किया। 17वें ओवर में सिराज की आखिरी गेंद पर उथप्पा कैच आउट हो गए थे, लेकिन नो बॉल होने के चलते उनको जीवनदान मिला। उस समय वह 81 पर बैटिंग कर रहे थे। रॉबिन उथप्पा 50 गेंदों में 88 रन बनाकर हसरंगा की गेंद पर आउट हुए। उनका कैच डीप मिडविकेट पर कोहली ने पकड़ा।

उथप्पा-शिवम की सर्वोच्च साझेदारी

रॉबिन उथप्पा और शिवम दुबे ने सीएसके की पारी को संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन जोड़े। ये दोनों खिलाड़ी की सर्वोच्च साझेदारी रही। इस घातक पार्टनरशिप को हसरंगा ने उथप्पा को आउट कर तोड़ा। वह 88 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

दिनेश कार्तिक ने 200 छक्के पूरे किए

आरसीबी के दिनेश कार्तिक ने 3 छक्के जड़े। अपना पहला सिक्स लगाने के साथ ही दिनेश कार्तिक ने टी-20 क्रिकेट में अपने 200 छक्के पूरे किए। फटाफट क्रिकेट में 200 छक्के लगाने वाले कार्तिक दुनिया के 69वें और भारत के 12वें खिलाड़ी बने। मैच में उन्होंने 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से केवल 14 गेंदों पर 34 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनका विकेट ब्रावो ने लिया।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स पारी	रन	गेंद	4	6
रॉबिन उथप्पा का कोहली बो हसरंगा	88	50	4	9
रुतुराज गायकवाड़ पगबाधा हेजलवुड	17	16	3	0
मोईन अली रन आउट	03	08	0	0
शिवम दुबे नाबाद	95	46	5	8
रवींद्र जडेजा का अनुज बो हसरंगा	00	01	0	0
महेन्द्र सिंह धोनी नाबाद	00	0	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल योग: 216/4 रन

गेंदबाजी: सिराज 4-0-37-0, हेजलवुड 4-0-32-1, आकाश 4-0-58-0, मैक्सवेल 3-0-29-0, शहबाज 2-0-18-0, हसरंगा 3-0-36-2

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर पारी	रन	गेंद	4	6
फाफ डु प्लेसी का जोर्डन बो तीक्षणा	08	09	0	0
अनुज रावत पगबाधा बो तीक्षणा	12	16	1	0
विराट कोहली का दुबे बो चौधरी	01	03	0	0
ग्लेन मैक्सवेल बो जडेजा	26	11	2	2
शाहबाज अहमद बो तीक्षणा	41	27	4	0
सुयश प्रभुदेसाई बो तीक्षणा	34	18	5	1
दिनेश कार्तिक का जडेजा बो ब्रावो	34	14	2	3
हसरंगा डिसिल्वा का जोर्डन बो जडेजा	07	03	0	1
आकाश दीप का रायुडू बो जडेजा	00	02	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	14	11	3	0
जोश हेजलवुड नाबाद	07	07	0	0

अतिरिक्त : 9 रन, कुल : 20 ओवर में 193/9 रन

गेंदबाजी : मोईन 3-0-19-0, चौधरी 3-0-40-1, तीक्षणा 4-0-33-4, जडेजा 4-0-39-3, जोर्डन 2-0-20-0, ब्रावो 4-0-42-1

जडेजा ने लिए 3 विकेट

पहले 4 मैचों में बतौर कप्तान और खिलाड़ी फ्लॉप रहे रवींद्र जडेजा इस मैच में शानदार लय में नजर आए। उन्होंने 4 ओवर में 3 विकेट अपनी झोली में डाले। सर जडेजा ने ग्लेन मैक्सवेल (26), वानिंदु हसरंगा (7) और आकाश दीप (0) को आउट किया। चेन्नई के महीश थीक्षाणा ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए। श्रीलंका के युवा मिस्ट्री स्पिनर ने फाफ डु प्लेसिस (8), अनुज रावत (12), सुयाष प्रभुदेसाई (34) और शाहबाद अहमद (41) को आउट किया।

खालिद ने वेरेन को फेंककर मारी बॉल लगा 15% जुर्माना डिमेरिट अंक भी जुड़ा

एजेंसी ▶▶ पोर्ट एलिजाबेथ

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज खालिद अहमद पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट के दौरान आईसीसी की आचार संहिता का उल्लंघन करने पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। अहमद को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। इस अनुच्छेद में किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान गेंद को किसी खिलाड़ी, खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के सदस्य, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास अनुचित तरीके से फेंकने का जिक्र है।

अहमद ने स्वीकारा अपना अपराध

यह 'लेवल एक' का उल्लंघन है, जिसका मतलब है कि अहमद के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जुड़ जाएगा। डिमेरिट अंक के सक्रिय रहने की चौबीस महीने अवधि में यह उसका पहला अपराध है। अहमद ने अपराध और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया।

अहमद ने वेरेन को फेंककर मार दी बॉल

आईसीसी के बयान के मुताबिक, यह घटना मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 95वें ओवर में घटी जब काइल वेरेने ने गेंद को वापस अहमद की तरफ मारा।'' उन्होंने बताया गेंदबाज ने इसके बाद गेंद को अनुचित और खतरनाक तरीके से वेरेने की ओर फेंक दिया, जो उनके दाहिने दस्ताने पर लगा।

कुछ वर्षों से चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहीं हैं

राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के चयन ट्रायल से हटीं साइना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साइना नेहवाल के राष्ट्रमंडल खेलों में अपने खिताब का बचाव करने की संभावना धूमिल नजर आती है क्योंकि उन्होंने आगामी बहु खेल प्रतियोगिताओं के चयन ट्रायल में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के चयन ट्रायल 15 से 20 अप्रैल के बीच होंगे। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना पिछले कुछ वर्षों से चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। वह विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर खिसक गई हैं। साइना ने भारतीय बैडमिंटन संघ को ट्रायल में हिस्सा नहीं लेने के अपने फैसले के बारे में बता दिया है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत का खाता खोलने उतरेगी मुंबई

एजेंसी ▶▶ पुणे

शुरुआती चार मैच हारने के बाद मुश्किलों का सामना कर रही मुंबई इंडियंस की टीम आज बुधवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में जीत का खाता खोलने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

धीमी शुरुआत के लिए पहचानी जाने वाली पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की मौजूदा सत्र में शुरुआत बुरे सपने जैसी रही है और टीम अपने पहले चार मुकाबले गंवा चुकी है। मुंबई को ऐसी टीम से भिड़ना है जिसके पास शिखर धवन, लियाम लिविंगस्टोन और एम शाहरूख खान जैसे बड़े शॉट खेलने में सक्षम खिलाड़ी हैं।

वर्षों से मजबूत टीम के रूप में खुद को स्थापित करने वाली मुंबई की टीम मौजूदा सत्र में अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराने में बुरी तरह नाकाम रही है। मुंबई को अगर अपने अभियान को पटरी पर लाना है तो टीम को कई चीजों में सुधार करने की जरूरत है। टीम के बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे हैं जबकि गेंदबाज भी अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जिससे टीम की मुसीबत बढ़ गई है।

मुंबई-पंजाब दोनों की साख दांव पर

मुंबई की वापसी की राह काफी मुश्किल नजर आ रही हैं क्योंकि वह 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर चल रही है। पंजाब की टीम दो जीत और इतनी ही हार के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में मिली हार के बाद टीम की नजरें जीत की राह पर लौटने पर टिकी होंगी।

प्रदेश ही नहीं, दूसरे राज्यों में भी मैजिक पेंट के उत्पादों को मिल रहा स्थान

- कस्ट्रक्शन कैमिकल व टाइल साल्यूशन भी बाजार में पेश
- 300 से अधिक प्रोडक्ट रेंज शामिल

रायपुर। मध्यभारत के अग्रणी पेंट निर्माताओं में से एक जार मेटामोर्फोज कंबाइन का मैजिक पेंट डेकोरेटिव, आर्किट्रेक्चरल, औद्योगिक कोटिंग्स व आटोमोटिव की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करवाते हैं। इसमें सजावटी कोटिंग्स की श्रृंखला में पेंट्स, प्राइमर्स, डिस्टेम्पर, इमल्शन, पुट्टी, सीमेंट पेंट्स, वुड फिनिश, फ्लोर कोटिंग्स और टेक्सचर, वहीं आर्किट्रेक्चरल में एक्सट्रिरियर व ट्रेक्चर कोटिंग्स के साथ ही ऑटोमोटिव में प्राइमर, पुट्टी, एनसी पुट्टी जैसे तकरीबन 300 रेंज शामिल हैं। कंपनी द्वारा निर्माण किए जाने वाले उत्पाद उच्चगुणवत्ता से युक्त होता है। यहीं कारण है कि मैजिक पेंट को मध्यभारत के सबसे भरोसेमंद पेंट निर्माताओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। हाल में कंपनी में कंस्ट्रक्शन कैमिकल व टाइल साल्यूशन को बाजार में पेश किया है। जोकि भवन निर्माण के समय प्लास्टर, जुड़ाई व टाइल की फीटिंग को विशेष मजबूती प्रदान करता है।

गुणवत्ता पर है फोकस

वर्ष 1996 में हमने कंपनी की शुरूआत की थी, और पहले दिन से हमने उत्पादों की गुणवत्ता पर फोकस किया। यही कारण है कि आज लोग इसमें काफी भरोसा करते हैं। उच्चगुणवत्ता के चलते इसे कई सरकारी संस्थाओं ने अप्रूव्ड किया है। हमारे अत्याधुनिक लैब में गुणवत्ता से युक्त नए प्रोडक्ट इजाद किए जाते हैं। जिसे लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

-फरहत अब्बास,
संचालक जार मेटामोर्फोज कंबाइन

दूसरें राज्यों में भी उपस्थिति-

आज कंपनी केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि गुजरात के वड़ोदरा में अपनी प्रोडक्शन यूनिट चला रही है। इसके साथ ही कर्नाटक व गोवा में भी कंपनी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है। कंपनी के उत्पाद बिहार के पटना में अंबूजा मॉल, कलकत्ता के राजार हॉट डुमडुम एयरपोर्ट के समीप स्थित इको रिसार्ट, पब्लिक सेक्टर जैसे आईओसीएल, एनटीपीसी, बीपीसीएल, सेल, रेलवे जैसे आर्गेनाइजेशन में भी अपने उत्पादों की सप्लाई कर रही है।

खाद्य तेलों और तिलहनों की जमाखोरी रोकने के लिए तीन राज्यों में छापेमारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तिलहनों और खाद्य तेलों की जमाखोरी पर लगाम लगाने के लिए छापेमारी जारी है और पांच अन्य राज्यों में भी विशेष टीमें इसकी जांच कर रही हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, तिलहन के प्रमुख उत्पादक एवं खपत वाले राज्यों में थोक एवं खुदरा विक्रेताओं, शॉपिंग श्रृंखला विक्रेताओं और मिलों की तरफ से की जा रही जमाखोरी रोकने के लिए खाद्य तेलों एवं तिलहनों के भंडारगृहों पर औचक छापेमारी की जा रही है। इसके लिए महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात और नयी दिल्ली के लिए विशेष टीमें भेजी गई हैं। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मध्य प्रदेश के देवास, शाजापुर और गुना जिलों में छापेमारी के दौरान सोयाबीन एवं सरसों दाने की जमाखोरी का पता चला है। इन कारोबारियों ने सरकार की तरफ से स्वीकृत सीमा से अधिक मात्रा में सोयाबीन एवं सरसों को स्टॉक जमा कर रखा था। सोयाबीन के दानों की जमाखोरी से सोयाबीन तेल की कीमतें पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ी हैं।

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई

राज्य सरकार को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जरूरी कदम उठाने को कहा गया है। वहीं महाराष्ट्र और राजस्थान में भी खाद्य तेलों का तय सीमा से अधिक स्टॉक रखने के मामले सामने आए हैं।

ट्राई की सिफारिशों से सीओएआई निराश

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के संगठन सीओएआई ने स्पेक्ट्रम कीमतों में कटौती के बारे में ट्राई की सिफारिशों पर गहरी निराशा जताते हुए मंगलवार को कहा कि सुझाई गई कीमतें भी बहुत ज्यादा हैं। भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) ने एक बयान में कहा कि वह 5जी स्पेक्ट्रम के आधार मूल्य के बारे में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की तरफ से की गई अनुशंसाओं से निराश है। इसके साथ ही उसने कहा कि आधार मूल्य में कटौती की सिफारिश के बाद भी स्पेक्ट्रम मूल्य बहुत अधिक है। ट्राई ने एक दिन पहले नीलामी के पहले स्पेक्ट्रम की कीमतों के बारे में अपनी सिफारिशें जारी कीं। इसमें 5जी स्पेक्ट्रम की कीमत में करीब 35 फीसदी की कटौती का सुझाव दिया गया है।

विशेष भृगुबंशी इंडोनेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

प्रखर वाराणसी। जनपद के अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता विशेष भृगुवंशी का चयन भारतीय 3X3 सीनियर पुरुष बास्केटबॉल टीम में हुआ है। गौरतलब है कि भारतीय बास्केटबॉल टीम एशियन बास्केटबॉल 3X3 लीग जो कि 16 और 17 अप्रैल 2022 को बाली इंडोनेशिया में आयोजित हो रही है, उसमे भाग लेगी। इस प्रतियगिता में विशेष भृगुवंशी के अलावा अमज्योत सिंह,अमृतपाल सिंह (पंजाब) तथा सहज प्रताप सिंह (चण्डीगढ़) टीम में शामिल है। प्रतियोगिता की विजेता टीमें वर्ल्ड बास्केटबॉल लीग में प्रतिभाग करेंगी। विशेष भृगुवंशी वर्तमान में ओ.एन.जी.सी में कार्यरत हैं। विशेष भृगुवंशी की वाराणसी में भुवनेश्वर नगर कॉलोनी, अर्दली बाजार क्षेत्र के निवासी हैं। यह जानकारी जिला बास्केटबॉल संघ वाराणसी के सचिव डॉ अशोक कुमार सिंह ने दी है।

रियलमी जीटी 2 प्रो में प्रथम बायो-बेस्ड डिजाइन

नई दिल्ली। रियलमी के सबसे प्रीमियम फ्लैगशिप, रियलमी जीटी 2 प्रो ने उद्योग का प्रथम बायो–बेस्ड पॉलिमर पेपर टेक मास्टर डिजाइन हैंड सेट पेश किया है। एलटीपीओ 2.0 टेक्नॉलॉजी के साथ दुनिया का पहला 2के एमोलेड फ्लैट डिस्प्ले दिया गया है। उद्योग में सबसे बड़े हीट डिसिपेशन एरिया के साथ लेटेस्ट स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 प्लेटफॉर्म पर आधारित है।

लोकल सर्किल ने अपने सर्वेक्षण में दी जानकारी

सब्जियों की कीमतों में वृद्धि से 87% परिवार प्रभावित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले महीने से लगातार बढ़ रही सब्जियों की कीमत ने भारत के हर दस में से नौ घरों को परेशान किया है। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। सर्वेक्षण करवाने वाली संस्था 'लोकल सर्किल्स' का कहना है कि उसे भारत के 311 जिलों में रहने वाले नागरिकों से 11,800 प्रतिक्रियाएं मिलीं।

संस्था का दावा है कि मार्च से बढ़ रही सब्जियों की कीमतों से लगभग 87 प्रतिशत भारतीय परिवार 'प्रभावित' हैं। लोकल सर्किल्स ने कहा, 'सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि पिछले महीने कुछ सब्जियों की कीमतें आसमान छू गई थीं।' सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 37 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे सब्जियों की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि को अनुभव कर रहे हैं।

मार्च की तुलना में देनी पड़ रही अधिक कीमत

36 प्रतिशत लोगों ने माना कि पिछले महीने की तुलना में इस महीने वे सब्जियों की समान मात्रा के लिए '10-25 प्रतिशत अधिक' का भुगतान कर रहे हैं, जबकि अन्य 14 प्रतिशत ने कहा कि वे '0 से 10 प्रतिशत अधिक' का भुगतान कर रहे हैं।

सात फीसदी का मानना दोगुना भुगतान करना पड़ा

करीब 25 प्रतिशत लोगों ने माना कि उन्हें '25-50 प्रतिशत अधिक' भुगतान देना पड़ा, जबकि अन्य पांच प्रतिशत लोगों का मानना था कि मार्च की तुलना में उतनी ही मात्रा में खरीदी जाने वाली सब्जियों के दाम के लिए अतिरिक्त '50-100 प्रतिशत' दाम देने पड़े। सात प्रतिशत लोगों का मानना था कि उन्हें दोगुना दाम से अधिक का भुगतान करना पड़ा।

चार फीसदी ने कहा कीमतों में बदलाव नहीं

सर्वेक्षण में भाग लेने वाले केवल 2 प्रतिशत प्रतिवादियों ने कहा कि वे 'वास्तव में कम भुगतान कर रहे थे' और चार प्रतिशत की राय थी कि कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सात फीसदी लोगों ने कहा कि वे तब और अब की कीमतों में अंतर नहीं कर पा रहे हैं।

सर्वेक्षण में भारतीय नागरिक ही पंजीकृत

सर्वेक्षक का कहना था कि सर्वेक्षण में केवल भारतीय नागरिकों को उनके दस्तावेजों को मान्य करने के बाद पंजीकृत किया गया था। सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले लोगों में लगभग 64 प्रतिशत प्रतिभागी पुरुष थे जबकि 36 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं।

काशी के धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा ,शासन से 33 करोड़ का बजट पास, सुधरेंगे पावन पथ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। धर्म नगरी काशी का यूं तो पहले से ही दुनिया के पर्यटन मानचित्र में विशेष स्थान रहा है। लेकिन जिस तरह से गत 13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया, काशी के धार्मिक पर्यटन उद्योग को गजब का उछाल मिला। अब उस कड़ी को आगे बढ़ाने का निर्णय यूपी की योगी आदितयनाथ सरकार ने लिया है। इसके लिए 33.56 करोड़ का बजट भी मंजूर हो गया है। तो जानते हैं कि इतनी बड़ी राशि से क्या-क्या होगा।

काशी के धार्मिक स्थलो को मिलेगी नई पहचान – पर्यटन अधिकारी कीर्तिमान श्रीवास्तव के अनुसार, पावन पथ प्रोजेक्ट को शासन से मंजूरी मिल गई है। अब इसके तहत काशी के तमाम धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार होगा। मंदिरों और पौराणिक कुंडों तक आने-जाने के मार्ग को दुरुस्त किया जाएगा। उन्हें नई पहचान मिलेगी। ऐसे कई धार्मिक स्थल काशी में हैं जहां तक पर्यटकों का पहुंच पाना मुश्किल होता है या वो जानते ही नहीं, अब इस नए प्रोजेक्ट से उन सभी स्थलों के बारे में हर पर्टयक

को जानकारी सुलभ हो सकेगी।

नव दुर्गा, नव गौरी यात्रा, काशी के चार धाम, विष्णु यात्रा, द्वादश आदित्य यात्रा, भैरव यात्रा के पावन पथ होंगे सुगम– नए प्रोजेक्ट के तहत अष्ट विनायक यात्रा, नव दुर्गा, नव गौरी, द्वादश ज्योतिर्लिंग, काशी के चार धाम यात्रा, विष्णु यात्रा, द्वादश आदित्य यात्रा, भैरव यात्रा के पावन पत्र सुगम होंगे। इसके तहत नव दुर्गा यात्रा के लिए 5.04 करोड़, अष्ट विनायक व द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा मार्ग के लिए 7.20 करोड़, काशी के चार धाम, यात्रा, विष्णु यात्रा और द्वादश आदित्य यात्रा के लिए 6.76 करोड़, भैरव यात्रा व नव गौरी यात्रा के लिए 5.32 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

इन सभी मंदिरों का जीर्णद्धार कर बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं – नए प्रोजेकट के तहत इन सभी मंदिरों का जीर्णोद्धार होगा, यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। मंदिरों तक के पहुंच मार्गों को व्यवस्थित किया जाएगा। मार्ग की मरम्मत होगी साथ ही पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था होगी।

क्यूआर कोड से मिलेगी पूरी जानकारी – प्रोजेक्ट के तहत प्रमुख मंदिरो तक पहुंचने के मार्गों की सटीक जानकारी के लिए रास्तों व मंदिरों क्यूआर कोड लगाए जाएंगे जिनसे तीर्थ यात्रियों को सुविधा होगी। वो किसी खास मंदिर के बारे में जानकारी चाहता है तो परिसर में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर सारी जानकारी हासिल कर सकेंगे। यही नहीं इन मंदिरों के मार्ग पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर समूचे पावन पथ की जानकारी मोबाइल पर ही मिल जाएगी।

हरिहर पर ग्राम के आंगनवाड़ी केन्द्र को जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य के आदेश से गोद लिया गया

प्रखर वाराणसी। जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य के आदेश से राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में हरिहरपुर ग्राम के एक आंगनबाड़ी केंद्र को गोद लेकर उसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया सर्वप्रथम सरस्वती देवी की मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया इसके बाद आंगनबाड़ी के छात्र और छात्राओं को छात्रों के ललाट पर टीका लगाया गया और हाथ मे नारा बंधा गया। प्रसाद वितरित किया गया। के ग्राम प्रधान श्री प्रदीप पटेल ने बच्चों के विकास के लिए सहायता देने की बात की डॉक्टर प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए यह कहा कि छोटे बच्चे भगवान के स्वरुप होते हैं बच्चे मन के सच्चे होते हैं उनके पास छल कपट नहीं रहता है इसलिए तन से मन से धन से सेवा करना भगवान के द्वार पर पहुंचने का रास्ता है यही सच्ची भक्ति है भिखारी को राजा बना देती है बच्चों को रबड़ पेंसिल कटर काफी बिस्कुट भी वितरित किया गया कार्यक्रम का संचालन आस्था गोस्वामी ने किया धन्यवाद ज्ञापन आंगनबाड़ी की संचालिका तूलिका सिंह ने किया कार्यक्रम में। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों सेविकाओं उपस्थिति थी मुख्य रूप से अंशिका पटेल आकांक्षा पटेल आशुतोष गिरी मोहित प्रजापति प्रियंका विश्वकर्मा नीलेश त्रिपाठी नैंसी कुमारी। अंजनी त्रिपाठी। सहायक आंगनबाड़ी निर्मला देवी भी उपस्थित थी। कार्यक्रम के समापन की घोषणा राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा तूहीना ने किया।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण सहभागिता आंकलन विधा पर हरपुर मैं हुआ कार्यक्रम

प्रखर गोरखपुर। विकास खण्ड सहजनवां के ग्राम पंचायत हरपुर में आज द्वितीय दिवस में ट्रिगरिंग के माध्यम से के समुदाय को ठोस एवं तरल अपशिष्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, और कुपोषण के कारण और बचाव के बारे में जानकारी दी गई,और समुदाय को शिक्षा, स्वास्थ्य स्वच्छ पेयजल और महिला सशक्तिकरण पर विस्तृत जानकारी दी गई वहां पर उपस्थित, ग्राम पंचायत सचिव सुषमा चौबे, आशा आंगनबाड़ी, पंचायत सहायक शिवेंद्र प्रताप शर्मा,सफाई कर्मचारी ग्राम पंचायत सदस्य एवं गांव के समुदाय रहे पी0आर0ए0 टीम 09 के सदस्य 1-चन्द्रशेखर गीरी, रोहित कुमार, उपेन्द्र पाण्डेय, घनश्याम पासी, जितेन्द्र कुमार,जय चन्द,।

माँ दक्षिणेश्वरी काली दरबार में भजनों की फुहार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भोजूवीर पंचकोशी मार्ग स्थित प्राचीन दक्षिणेश्वरी काली जी के वार्षिक श्रृंगार मंगलबार को मां की झांकी सजाई गई। सुबह मां काली को पंचामृत स्नान कराकर नूतन वस्त्र आभूषण से सुसज्जित कर वेला, जुही, गेंदा, गुलाब अड्हुल के हार व रजत मुडमाला से श्रृगार किया गया। गायक पप्पू वर्मा ने मां काली के दरबार में मंगल भवन अमगल हरी ,तेरी माया का न पाया कोई पर, मईया ने जीवन हमारा आपके चरण में, आदि गीतो को स्वर दिया मनोज जी, पवन त्रिपाठी, बब्बू चतुवेर्दी, रीता शर्मा व सुमन चतुवेर्दी अपने स्वर में सबको मन मुक्त किया` श्रृंगार के उपरान्त रात 8 बजे मां की 108 धी बत्ती और सवा किलो कपूर से महाआरती हुई, जिसमें 151 किलो बेसन के लड्डू व फलो इत्यादी से भोग लगा। दर्शनार्थियों की भारी भीड़ सुबह से रात अनवरत मां के दर्शन हेतु लगी रही। जिसमें मुख्य रूप पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुजीत सिंह ने माँ का लिया आशीर्वाद और मीडिया से की बातचीत` यह सब कार्यक्रम महन्त गोपाल गिरी एवं व्यवस्थापक राजेश गिरी एवं मनोज जायसवाल, राकेश गुप्ता, रमेश मधावन ,नवीन चौवे व पवन वर्मा के द्वारा किया गया।

मछली पकड़ने में युवको को मिला ग्रेनेड, हड़कंप

प्रखर ब्यूरो सेवराई/गाजीपुर। गहमर कोतवाली क्षेत्र स्थानीय गांव में पानी भरे गड्ढे में मछली मार रहे कुछ युवकों को हैंड ग्रेनेड मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवकों की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस ने ग्रेनेड को कब्जे में ले लिया और छानबीन में जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय गांव के जरही बाग प्राथमिक विद्यालय के पास कुछ युवक एक गड्ढे में मछली मार रहे थे। इसी दौरान लोहे का एक सामान उनके हाथ लगा। जब उन्होंने उसको साफ कर देखा तो वह बम जैसा दिखा। बम की जानकारी होते ही वहां ग्रामीणों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना गहमर पुलिस को दी। कुछ ही देर में कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। युवकों से पूछताछ करने के बाद हैंड ग्रेनेड को उन्होंने कब्जे में लेते हुए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। हैंड ग्रेनेड मिलने को लेकर ग्रामीण तरह-तरह का कयास लगाते रहे। इस सबंध में एसपी रामबदन सिंह ने बताया कि तालाब में मिला हेंड ग्रेनेड बहोत पुराना है। इसमें जंग लग गई है। उसे थाना में जमीन के अंदर दबा दिया गया है। बम विस्फोटक को इसकी सूचना दे रहे हैं। देखने में यही लग रहा है कि यह बहोत पुराना है। मेरा अनुनमान है कि गहमर में बहुत सारे लोग मिलेट्री में है, किसी को दिखाने के लिए लाएं होगी, यह ग्रेनेड है डमी ही। उन्होंने बताया कि इसकी छानबीन की जा रही है।

डीएम व एसपी से मिला उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ का प्रतिनिधिमंडल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गौरव कुमार सिंह आदर्श इंटर कालेज सियावा भितरी के खिलाफ जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सुनियोजित ढंग से उनके एफआईआर कराने को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ में आक्रोश है। जिलाध्यक्ष शिव कुमार सिंह के नेतृत्व में बुधवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से एक प्रतिनिधिमंडल मिला। इस दौरान उक्त प्रकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। वार्ता करते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शिव कुमार सिंह ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि 7 अप्रैल को केदारनाथ इंटर कालेज धुवाजून से दो किलोमीटर दूर पर एसटीएफ द्वारा कुछ लड़कों को उत्तर पुस्तिकाओं के साथ वाराणसी टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया था। जिसके क्रम में एसटीएफ द्वारा कोतवाली सैदपुर में 8 लोगों को अभियुक्त बनाया गया, जिसमें 6 लोगों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया था और गौरव कुमार सिंह को बाइज्जत मुक्त कर दिया गया था। क्योंकि एसटीएफ की जांच में गौरव सिंह का नाम कहीं भी सम्मिलित नहीं पाया गया, लेकिन जिला विद्यालय विद्यालय निरीक्षक द्वारा दिनांक 8 अप्रैल को सांयकालीन गौरव कुमार सिंह व विजय कुमार सिंह को उपरोक्त प्रकरण में अभियुक्त बनाया गया, जो सरासर गलत एवं नींदनीय है, जिससे शिक्षक समाज में जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रति आक्रोश व्याप्त है। हम जिला प्रशासन से मांग करते हैं कि उपरोक्त प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच करी जाए, जाम में जो भी दोषी पाया जाता है, उसके खिलाफ कार्यवाही की जाए। चेतावनी दिया कि गौरव कुमार सिंह के खिलाफ फर्जी मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो माध्यमिक शिक्षक संघ आंदोलन को धार देते हुए सभी सदस्य मूल्यांकन का पूर्ण रूप से बहिष्कार करेंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। प्रतिनिधिमंडल में शिव कुमार सिंह, राणा प्रताप सिंह, विजय शंकर, प्रकाश चंद दुबे, शैलेंद्र यादव, सूर्य प्रकाश सिंह, राजेश सिंह, सियाराम सिंह, संजीव कुमार, प्रमोद कुमार, प्रत्यूष त्रिपाठी आदि लोग शामिल रहे।

अवैध असलहा, कारतूस व बाइक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह के निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में आएदिन जिला पुलिस को सफलता मिल रही है। इसी क्रम में रेवतीपुर थाना पुलिस ने क्षेत्र के उतरौली पुलिया के पास के पास से एक बदमाश को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो असलहा-कारतूस के साथ ही बाइक बरामद किया। अभियुक्त का चालान कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेवतीपुर थाना प्रभारी निरीक्षक पन्ने लाल बुधवार को पुलिस कर्मियों के साथ क्षेत्र के उतरौली पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार आता दिखाई दिया। पास आने पर जैसे ही पुलिस ने रुकने का इशारा किया, वह बाइक घुमाकर भागना चाहा, लेकिन पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने व जान से मारने का धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। पुलिस द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने व जान से मारने का धमकी देने का आरोपी को गिरफ्तार किया गया । दिनांकः 29.11.2021 को क्षेत्रान्तर्गत निवासी एक महिला द्वारा थाना स्थानीय पर नामजद अभियुक्त के विरूद्ध अपनी(वादिनी की) पुत्री के साथ छेड़छाड़ किये जाने के सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत कराया गया था । थाना अहरौरा पर पंजीकृत उक्त अभियोग में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दुष्कर्म की धारा की बढ़ोत्तरी की गई । आज दिनांक 13.04.2022 को थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह मय हमराह हे0कां0 सचीन मौर्या व का0 मनोज कुमार द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्त विकाश सोनकर पुत्र रामआसरे सोनकर निवासी ग्राम सरिया थाना अहरौरा सोनपुर घाटी से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया ।

पता पूछने के बहाने वृद्ध महिला से हुई लूट

प्रखर खानपुर गाजीपुर। थानाक्षेत्र के फरदहा गाँव निवासिनी विमला देवी (77) किसी काम से दोपहर करीब बारह बजे घर से निकलकर सड़क किनारे वाहन पकड़ने के लिए बैठी हुई थी।वही जब तक वह वाहन पकड़कर कही जा पाती की इतने में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने वृद्ध महिला को अकेले देख गाड़ी रोक पता पूछने लगे वही जब विमला देवी पता बताने के लिए युवकों के पास आई तो मोटरसाइकिल सवार युवकों ने महिला के गले मे सोने की चैन देख बिना कुछ पूछे ही छीन फरार हो गए।वही पीड़ित वृद्ध महिला अपने साथ हुए इस वारदात से हलकान होकर शोर गुल मचाने लगी जब तक कोई आता कि इतने में बदमाश फरार हो चुके थे।

बीआईटी गोरखपुर द्वारा आयोजित कांफ्रेंस में सम्मलित हुए विजय सुधा कालेज ऑफ फामेर्सी के छात्रः डॉ के के गुप्ता

प्रखर कुशीनगर। गोरखपुर बीआइटी फामेर्सी कॉलेज ने अपने परिसर में "भारत में फामेर्सी शिक्षा में हालिया रुझान और चुनौतियां" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। उत्तरप्रदेश के अन्य कॉलेजों के डिप्लोमा फामेर्सी, बी फामेर्सी, एम फामेर्सी के छात्रों और फैकल्टी ने भी सम्मेलन में भाग लिया और विजय सुधा कालेज ऑफ फामेर्सी के सभी छात्रों ने अपने अपने पेपर प्रस्तुत किए।विजय सुधा कालेज ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ के के गुप्ता ने दवाओं के तर्कसंगत उपयोग पर प्रकाश डाला और ध्यान दिया कि रोगियों को दवा देने से पहले दवा की त्रुटि, पर्चे की त्रुटियों, वितरण त्रुटियों, प्रशासन की

त्रुटियों , रोगी के साथ व्यवहार , उनके खान पान आदि को ध्यान में रखा जाना चाहिए। बीआइटी के निदेशक प्रोफेसर डॉ आशीष सिंह जी ने छात्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली संदर्भ पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई-पुस्तकों आदि की जानकारी की सही सामग्री के महत्व के बारे में बताया। डॉ प्रदीप कुमार श्रीवास्तव जी ने कार्टून के माध्यम से शिक्षण और उद्योग दोनों में फामेर्सी अध्ययन के बाद कैरियर के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों के पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों का भी मूल्यांकन किया।इस अवसर पर विजयसुधा फामेर्सी कॉलेज के प्रवक्ता विवेकानंद चौधरी ,मंजू कुशवाहा सहित अम्बरीष एवम सभी छात्र मौजूद रहे।

भारत की आध्यात्मिक राजधानी काशी में गीतांजलि स्टूडियो का हुआ शुभारंभ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत का सर्वाधिक सम्मानित हाई स्ट्रीट सैलून ब्रांड अब वाराणसी में शुरूआत की जा रही है, इसके तहत बुधवार को अर्दली बाजार भुनेश्वर नगर कॉलोनी में उद्घाटन किया गया वाराणसी में सिग्नेचर बुटीक, गीतांजलि स्टूडियो लॉन्च किया गया है । गीतांजलि 1989 से उद्योग में अग्रणी रही है जिसका उद्देश्य बाल , त्वचा , बॉडी स्पा , हाथ और पैर , नाई और मेकअप सेवाओं के लिए विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है । तीन दशकों में दिल्ली में एक सैलून के साथ शुरू हुआ गीतांजलि को उनकी सेवा उत्कृष्टता के लिए पूरे शहर से भारी प्यार मिलने पर शहर में विस्तार करना शुरू कर दिया । यह भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाला और सबसे स्थिर सैलून साम्राज्य बन गया है जिसमें 250 से अधिक रचनात्मक कलाकारों और पेशेवरों के साथ 25 शहरों में 140 से अधिक आउटलेट हैं । उत्तर भारत में सर्वश्रेष्ठ हाई स्ट्रीट सैलून श्रृंखला इंटीरियर डिजाइन और बालों के रंग के लिए सर्वश्रेष्ठ सैलून के रूप में मान्यता प्राप्त गीतांजलि स्टूडियो ने अब पूरे देश में

विस्तार शुरू कर दिया है। सुमित इसरानी एमडी गीतांजलि सैलून और स्टूडियो और क्रिएटिव डायरेक्टर ने कहा की मैं भारत के आध्यात्मिक शहर में आकर बिल्कुल रोमांचित हूं । गीतांजलि सैलून एंड स्टूडियो पिछले तीन दशकों से हमेशा पेशेवर बालों की देखभाल और सौंदर्य के क्षेत्र में अग्रणी रहा है । भारत का अग्रणी हाई स्ट्रीट ब्रांड , गीतांजलि सैलून और पूरे भारत में 140 सैलून की स्टूडियो श्रृंखला अपने सिंगनेचर गीतांजलि स्टूडियो के साथ वाराणसी आती है । सुमित इसरानी ,क्रिएटिव डायरेक्टर को विविध ग्राहकों से मिलने और मशहूर हस्तियों द्वारा पसंद किए जाने वाले सभी प्रमुख स्थानों पर परिष्कृत प्रतिष्ठानों के साथ ब्रांड के लिए उनके उत्साह की प्रशंसा की जाती है । गीतांजलि स्टूडियो कि नूपर गर्ग ने बताया कि हम लोग वाराणसी में दो सलून खोल रहे हैं जिसमें एक अर्दली बाजार में ओपन हुआ है एक महीने बाद लंका में खोला जाएगा दो ब्रांच हमारे प्रयागराज में भी हैं गीतांजलि सैलून के बारे में बात की जाए तो यह बहुत अच्छा है जिसको हम लोग बनारस में लाने का काम किए हैं उन्होंने आगे कहा कि ब्राइडल के लिए हमारे यहां सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है ।

प्रशिक्षु आईपीएस ने कम्पोजिट विद्यालय का किया भ्रमण, बच्चों से ली जानकारी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रशिक्षु आईपीएस अमित कुसावत ने मंगलवार को पिंडरा ब्लॉक के कम्पोजिट स्कूल रमईपट्टी का भ्रमण कर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना एमडीएम, स्कूल चलो अभियान समेत बेसिक शिक्षा विभाग के अनेक क्रियाकलापों को नजदीक से देखा और जानकारी ली। सुबह 11 बजे पहुचे प्रशिक्षु आईपीएस ने सबसे पहले विभिन्न पत्रावलियों को देखने के बाद एमडीएम के तहत बने चावल व दाल का स्वाद चखा और तारीफ की। इसके उपरांत पुस्तकालय, विज्ञान कक्ष व स्मार्ट क्लास का विधिवत निरीक्षण किया। स्मार्ट क्लास में कक्षा ले रहे कमलेश पांडेय से उनके बनाये कंटेंट को स्क्रीन पर देखा। कंटेंट को देखने के बाद अधिकतम बच्चों तक पहुँचाने का सुझाव दिया।इसके बाद कक्षा 8 के बच्चों से मिलने की इच्छा व्यक्त की। इस दौरान यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन से सम्बंधित पाठ पढ़ाया जा रहा था। जिसपर उन्होंने बच्चों से सवाल-जबाब के साथ-साथ प्रत्येक बच्चे का नाम एवं आगे चलकर क्या बनेंगे? तथा उन्हें कौन सा विषय अच्छा लगता है?

मम्मी पापा हमे पढ़ाओ, स्कूल में चलकर नाम लिखाओ

प्रखर केराकत जौनपुर। स्कूल चलो अभियान के तहत ग्रामवासियों व अभिभावकों में जागरूकता के लिए कम्पोजिट विद्यालय ब्राह्मणपुर झमका (झमका) केराकत के प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह के नेतृत्व में विद्यालय के शिक्षक एंव बच्चों ने हाथों में स्कूल चलो अभियान के स्लोगन बैनर लेकर, प्रेरक नारों के साथ रैली निकाली। ग्रामवासियों व अभिभावकों ने ग्रामसभा के अंदर रैली का बड़े ही उत्साह से स्वागत किया और जगह जगह बच्चों को मीठा पानी कराकर विद्यालय के शिक्षकों व बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालय के भौतिक व शैक्षणिक व्यस्था की तारीफ की। प्रधानाध्यापिका ने विद्यालय प्रांगण से झंडा दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह ने बताया कि वर्तमान में विद्यालय में बच्चों की संख्या तीन सौ से अधिक है, हमारा प्रयास है कि इस वर्ष नामांकन पिछले वर्ष से अधिक हो और ग्रामसभा का छः वर्ष से 14 वर्ष के बीच का कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रह पाए। साथ ही बताया कि विद्यालय कायाकल्प योजना से पूर्ण रूप से संतृप्त है। ग्रामवासियों व अभिभावकों का भी विद्यालय परिवार को भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर संतोष सिंह कन्हैया लाल यादव विनोद कुमार यादव विजेंदर सिंह नीलम सिंह प्रमिला यादव गीता देवी उपस्थित रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी ने किया प्राथमिक विद्यालय पर औचक निरीक्षण

प्रखर खानपुर वाराणसी। थानाक्षेत्र के नुरूद्दीनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय व जूनियर हाईस्कूल नुरूद्दीनपुर पर खंड शिक्षा अधिकारी राजेश सिंह द्वारा पहुँच विद्यालय का निरीक्षण किया गया।सैदपुर खंड शिक्षा अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय पर पहुँच जाँच की गई है।और प्रधानाध्यापक सहित सभी अध्यापकों को कड़ाई के साथ पंद्रह दिन का अल्टीमेटम भी दिया गया है।साथ ही विद्यालय प्रधानाध्यापक ग्रिजेश कुमार सिंह को विद्यालय परिसर में हेल्प डेस्क बनाकर विद्यालय पर दाखिला के लिए आने वाले छात्रों और उनके परिजनों को हेल्प डेस्क के माध्यम से उन्हें सभी सुविधाओं से रूबरू करवाया जाए साथ ही विद्यालय पर उपस्थित सभी अध्यापकों को कड़ी हिदायत देते हुए प्रतिदिन उनको डोर टू डोर जाकर शिक्षा के प्रति जागरूक और बच्चों को पढ़ाई के लिए जागरूक करने का आदेश दिया गया है।साथ निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्रामप्रधानपति अमेहता के द्वारा विद्यालय में मौजूद सभी छात्रों को डायरी दी जाएगी साथ ही शिक्षा से सम्बंधित सभी उपयोगी सुविधाएं भी प्रदान की जायेगी।।

सामाजिक न्याय पखवाड़ा का हुआ आयोजन

प्रखर गोरखपुर। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के प्रसार प्रचार और जनता के समक्ष सरकार के योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का सामाजिक न्याय पकवाड़ा मनाया गया । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है जिले के आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जनता को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा सहजनवा विधानसभा के विधायक प्रदीप शुक्ला ने बताया कि हर कार्यकर्ता को सरकार के प्रमुख योजनाओं और अंत्योदय का आदर्श वाक्य तथा सामाजिक न्याय पर फोकस कर केंद्र की योजनाओं को प्रत्येक मतदाताओं तक पहुंचाया जाएगा सामाजिक न्याय पखवाड़े के अंतर्गत भाजपा कार्यकताओं की ओर से विभिन्न सेवा के कार्यक्रम किए जाएंगे उन्होंने यह भी बताया कि सेवा और देखभाल कृपालु जोड़कर कार्यकर्ता और अस्पतालों पीएससी

में रोगियों के बीच फल वितरण करना। प्रत्येक अस्पताल परिसर में उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच कराना । जन औषधि केंद्रों का दौरा कर उनके विवरण प्राप्त करना ।गरीबों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जारी योजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत गरीबों को सस्ती दर की दवाई उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्धता से इसके बारे में लाभार्थियों को बताना आदि कार्य किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सहजनवा विधानसभा के भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला , संयोजक क्षेत्रीय महामंत्री पिछड़ा वर्ग मनोज सिंह, कोटेदार सच्चिदानंद सिंह, विवेकानंद सिंह, बबलू ,वकील प्रसाद, पूर्व प्रधान बूथ अध्यक्ष शिवपूजन विश्वकर्मा ,सत्य प्रकाश सिंह, हरकेश सिंह, अमन गुप्ता ,पिंटू, राम सुधारे, चंद्रिका सिंह ,तथा भरी संख्या में ग्रामीण आदि लोग मौजूद रहे।

फिल्टर युक्त कृत्रिम फेफड़े 48 घंटे में हुए धुंधले

स्वच्छ माने जाने वाले अस्सी घाट पर प्रदूषण का बुरा हाल, कृत्रिम फेफड़ों का केवल 48 घंटों में हुआ बुरा हाल, सफेद से धुंधला हुआ रंग

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। क्लाइमेट एजेंडा द्वारा वाराणसी के स्वच्छ समझे जाने वाले अस्सी घाट पर स्थापित किये गए उच्च क्षमता वाले फिल्टर युक्त कृत्रिम फेफड़े महज दो दिन के अंदर धुँधले हो गए. ज्ञात हो की आम जन में वायु प्रदूषण की समझ पैदा करने के उद्देश्य से इस कृत्रिम फेफड़े की प्रदर्शनी स्थापित की गयी है, जिसे रविवार को ही शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ आर एन बाजपेई, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के निदेशक डॉ ए एस रघुवंशी और योगिराज पंडित विजय प्रकश मिश्रा ने क्लाइमेट एजेंडा की निदेशक एकता शेखर के साथ स्थापित किया था. देखना यह था कि शहर के सबसे साफ माने जाने वाले अस्सी घाट पर प्रदूषण के बारे में प्रशासनिक दावों के पीछे की सच्चाई क्या है काशी की हवा में मौजूद जहरीले प्रदूषण के बारे में क्लाइमेट एजेंडा की निदेशक एकता शेखर ने कहा महज दो दिन पहले ही स्थापित किये गए उच्च क्षमता वाले फिल्टर युक्त सफेद कृत्रिम फेफड़े का धुँधला (ग्रे) हो जाना प्रशासनिक दावों की कलई खोलता है. भीषण गर्मी के समय जबकि प्रदूषण का स्तर स्वाभाविक रूप से कम हो जाता है ऐसे समय में शहर के स्वच्छतम क्षेत्र की हालत पूरे शहर के वायु प्रदूषण के आंकड़ों की पोल खोलती है महज दो दिनों के भीतर इस कृत्रिम फेफड़े का धुंधला हो जाना यह प्रमाणित करता है कि वारा सी में वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति बनी हुई है. हालिया जारी रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के अधिकाँश शहर ऐसे ही स्वास्थ्य आपातकाल से गुजर रहे हैं, जहां राष्ट्रीय स्वच्छ हवा कार्य योजना पूर्ण रूप से असफल हो चुकी है प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय कार्ययोजना का लापरवाही भरा अनुपालन वायु प्रदूषण के विषय पर प्रशासन और शासन का गंभीर ना होना स्पष्ट करता है वाराणसी में बीएचयू स्थित सर सुंदर लाल अस्पताल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेसज्ञ डॉ ओम शंकर ने कहा "हम दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में यू ही नहीं शामिल हैं। महज दो दिनों में कृत्रिम फेफड़ों का ग्रे हो जाना साबित करता है कि शहर और आस पास रहने वाले लोगों का दिल और फेफड़ा वायु प्रदूषण की जड़ में है बेहद जरूरी है कि इसे एक स्वास्थ आपातकाल मानते हुए जरूरी कदम उठाए जाएं ` महज दो दिनों में कृत्रिम फेफड़ों के धुँधले हो जाने को एक चौकाने वाली घटना बताते हुए शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक और श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ आर एन वाजपेई कहाः अस्सी अब तक शहर में सबसे स्वच्छ जगहों में शामिल मानी जाती थी महज 48 घंटे में कृत्रिम फेफड़े का ग्रे हो जाना आम जनता के स्वास्थ्य के लिए एक खतरनाक स्थिति मानी जानी चाहिए यह अब बेहद जरुरी हो गया है कि पर्यावरण की बेहतरी के लिए परिवहन को प्रमुख रूप से स्ववच्छ बनाया जाए और सभी विभाग मिल कर स्ववच्छ वायु कार्ययोजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

अवैध असलहा, कारतूस व बाइक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह के निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में आएदिन जिला पुलिस को सफलता मिल रही है। इसी क्रम में रेवतीपुर थाना पुलिस ने क्षेत्र के उतरौली पुलिया के पास के पास से एक बदमाश को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो असलहा-कारतूस के साथ ही बाइक बरामद किया। अभियुक्त का चालान कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेवतीपुर थाना प्रभारी निरीक्षक पन्ने लाल बुधवार को पुलिस कर्मियों के साथ क्षेत्र के उतरौली पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार आता दिखाई दिया। पास आने पर जैसे ही पुलिस ने रुकने का इशारा किया, वह बाइक घुमाकर भागना चाहा, लेकिन पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो असलहा और तीन कारतूस के साथ ही 12 सौ नकदी तथा बाइक बरामद हुआ।

संक्षिप्त खबरें

आईटीएम के छात्र तथा छात्राओं को मुफ्त टेबलेट मिले, छात्र तथा छात्राओं के चेहरे खिले

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत गिडा एटीएम विद्यालय में प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु पात्र छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरण किया गया। छात्र-छात्राओं को संस्थान के अध्यक्ष नीरज मातनहेलिया, सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकुंज मातनहेलिया, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल एवं संस्था निदेशक डॉ एन के सिंह के द्वारा संयुक्त रुप से टेबलेट वितरण किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरण करते हुए भारत के प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा देखा गया डिजिटल भारत का सपना साकार करने हेतु सभी छात्र छात्राओं को प्रेरित किया एवं कहा कि योजना शुरू करने का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य में तकनीकी शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के कुलसचिव एवं नोडल अधिकारी डॉ एस के पाण्डेय के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ श्री त्रिलोकी नाथ भगवान जी का पूजा अर्चना किया गया

प्रखर मिजार्पुर। विंध्याचल प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विंध्य नाविक समाज संघ पक्का घाट ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ तथा परंपरागत श्री त्रिलोकी नाथ भगवान जी का कथा व वृहद पूजा अर्चना तथा प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान विंध्याचल इंस्पेक्टर नीरज पाठक जी का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। विंध्याचल नाविक समाज संघ पक्का घाट द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ श्री त्रिलोकी नाथ जी का कथा कर पूजा अर्चना किया गया। इस दौरान थाना विंध्याचल इंस्पेक्टर नीरज पाठक जी,धाम चौकी प्रभारी आर एन शुक्ला जी, हेड कांस्टेबल सुदिष्ट पांडेय जी को अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मस्जिदों में तराबीह पढने का सिलसिला जारी, खत्म हुई कुरान तराबीह

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। रमजान का महीना शुरू होतें ही जहाँ रोजेदार रोजा रखने की तैयारी में जुट जाते हैं, वही मस्जिदों में तराबीह पढने का सिलसिला जारी हो जाता है। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में इबादतगार रमजान के पुरे महीने लोग इबादत करते हैं। रमजान के महीने में वैसे तो पुरा महीना ही इबादत का होता है। मुस्लमान जहाँ रोजा रखता है, वही तिलावत के साथ ही मस्जिदों में एक माह तक तराबीह व शुरहतराबीह का दौर चलता है। नगर क्षेत्र के जामा मस्जिद इलाहाबाद बैंक के समीप, तकिया मस्जिद सहित ज्यादातर मस्जिदों में कुरआन तराबीह की नमाज खत्म हो गई है। नगर के सत्यानगंज स्थित इलाहाबाद बैंक के समीप वाली जामा मस्जिद में तराबीह पढ़ा रहे हाफिज जफर मोबीन ने बताया कि जिन मस्जिदों में तराबीह खत्म हो गई है, वहाँ पर शुरेतराबीह की नमाज अदा की जाती है। मौलाना अंसार उल हक ने कहा कि वैसे तो अल्लाह ने इबादत के लिए ही हमें दुनिया में भेजा है। हम मोमिन पर रोजा नमाज फर्ज है। वक़्त को देखते हुए कुछ मस्जिदों में जल्द तराबीह खत्म कर दी जाती है। पुरा महीना नमाज, रोजा के साथ ही इबादत किया जाता है।

निर्दल प्रत्याशी श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह को सदस्य विधान परिषद चुने जाने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव सतीश चौबे ने दी बधाई

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। निर्दल प्रत्याशी श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह को सदस्य विधान परिषद चुने जाने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव ,पूर्व ब्लाक प्रमुख चोलापुर सतीश चौबे ने उनको बधाई दिया और कहा कि आपके मार्गदर्शन में निश्चित तौर पर क्षेत्र का विकास होगा।

पूर्व विद्यालय में नए नामांकित बच्चों का प्रवेश उत्सव के तहत शिक्षकों द्वारा स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्व माध्यमिक विद्यालय ककरहिया में नए नामांकित 43 बच्चों का प्रवेश उत्सव के तहत शिक्षकों द्वारा स्वागत किया गया। सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ वाराणसी की प्रेरणा से संघ के आडिटर व शिक्षक राजेश सिंह द्वारा बच्चों को कॉपी, कलम,पेंसिल वितरित किया गया। बच्चों को संबोधित करते हुए राजेश सिंह ने कहा कि बच्चों को लेखन सामग्री यदि उनके अभिभावक द्वारा किन्ही कारणों से उपलब्ध नहीं कराया जा पाए तो ऐसे बच्चे यदि अवगत कराते हैं तो उन्हें कॉपी,कलम,पेंसिल इत्यादि की व्यवस्था अवश्य की जाएगी। बच्चों से प्रतिदिन विद्यालय आने का अनुरोध किया गया तथा पूरे दिन विद्यालयों में ठहर कर शिक्षकों द्वारा दी जा रही शिक्षा का लाभ लेने को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के राजेश सिंह सहित राजेन्द्र प्रसाद, अनिल शर्मा,शरद सिंह, अंजू सिंह, मोनिका चौरसिया उपस्थित रहे`

डॉ. हरिकिशन श्रीवास्तव ने आपरेशन कर कुशलतापूर्वक लगाया डबल चैंबर पेसमेकर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ककरमत्ता स्थित पापुलर हॉस्पिटल में 12 अप्रैल मंगलवार को 21वर्षीय विशाल जो कि रेवती बक्सर बिहार के रहने वाले हैं उनका ऑपरेशन कर डबल चैंबर पेसमेकर कुशलतापूर्वक लगाया गया पत्रकार वार्ता में पापुलर हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरिकिशन श्रीवास्तव ने बताया कि विशाल काफी दिनों से हृदय की समस्या से परेशान थे और कई हॉस्पिटल में अपना इलाज कराया पर उन्हें कुछ आराम नहीं हुआ और आनन-फानन बेहोशी की अवस्था में उनके परिजन उनको लेकर वाराणसी पॉपुलर हॉस्पिटल में इलाज कराने के लिए डॉक्टर से मिले जांच के दौरान यह पता चला की इनके हृदय में ब्लॉकेज है और उसको ठीक कराने के लिए उनका ऑपरेशन कर डबल चैंबर पेसमेकर लगाने की बहुत ही आवश्यकता है और ऑपरेशन कराने का खर्च भी बहुत ज्यादा है पीड़ित के परिजन ने कहा कि हम लोग बहुत गरीब हैं और

हम लोग इतना पैसा खर्च नहीं कर सकते है और इलाज कराने में सक्षम नहीं और नाही हमारे पास आयुष्मान योजना की भी सुविधा तब हॉस्पिटल के डायरेक्टर अवधेश कुमार कौशिक को इसकी सूचना मिली और उन्होंने आश्वासन दिया कि आप का इलाज मैं मेरे ही हॉस्पिटल में करूंगा और खर्च भी नाममात्र का ही लिया जाएगा । डॉ कौशिक के आश्वासन के बाद परिजनों ने विशाल के ऑपरेशन की सहमति दी और डॉक्टर हरे कृष्णा श्रीवास्तव ने अपनी टीम के साथ ऑपरेशन किया और पेसमेकर लगाया गया डॉक्टर ने बताया कि इस उम्र में डबल चेंबर पेसमेकर बहुत ही रेयर केस में लगता है और आज विशाल पूरी तरह से स्वस्थ है विशाल के परिजनों से जब बात किया गया तो वह पापुलर हॉस्पिटल के इस कार्य की सराहना करते थकते नहीं हैं इस तरह के कार्य को अंजाम देकर आज डॉक्टर कौशिक ने यह सिद्ध कर दिया कि मानवता के आगे पैसे का कोई वजूद नहीं है ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

संतकबीरनगर में जिला अस्पताल के आईसीयू ऑपरेटर की मार्ग दुर्घटना में मौत : मोटरसाइकिल से सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर

प्रखर संतकबीरनगर। यूपी के संतकबीरनगर जिले में संयुक्त जिला चिकित्सालय में तैनात आईसीयू वार्ड में ऑपरेटर के पद पर 22वर्षीय धीरज कुमार शर्मा कि मार्ग दुर्घटना में मौत हो गई। आपको बता दें कि बुधवार को जिले के पटखौली निवासी धीरज कुमार शर्मा अपने घर साइकिल से किसी काम के लिए शहर में जा रहे थे कि इसी दौरान नेदुला के पास हाईवे पार करते समय अज्ञात वाहन की ठोकर से दुर्घटना के शिकार हो गए, इस दौरान आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय भेजा जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत बिगड़ता देख गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। जिसको ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। बता दें कि दुर्घटना की सूचना पर धीरज कुमार शर्मा के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, इसके बाद पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। मार्ग दुर्घटना में धीरज की मौत से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी हैं। आपको बता दें कि संतकबीरनगर जिले के संयुक्त जिला चिकित्सालय के आईसीयू वार्ड में संविदा पर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे।

अज्ञात वाहन के धक्के से युवक घायल

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के जयगोपाल गंज नई बाजार में बुद्धवार को दोपहर लगभग ढाई बजे के खड़हर डगरा से घर वापस आते समय बृजेश यादव 34 वर्ष पुत्र कन्हैयालाल यादव निवासी ग्राम पचवर अपने बाइक से घर वापस आ रहे थे जैसे ही बृजेश बाइक लेकर नई बाजार मोड़ पर पहुँचें थे उसी दौरान पीछे से आ रही अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। जिससे बृजेश बुरी तरह घायल हो गये। मौके पर उपस्थित लोगों ने घायल को इलाज के लिए केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये जहाँ पर प्रथम उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।पुलिस को सूचना मिलते ही सूचना पर अपने हमराहियों संग पहुँचे उपनिरीक्षक रामाश्रय यादव ने घायल का उपचार कराया। और घटना के बारे में पूछताछ व जानकारी हासिल किया।खबर दिए जाने तक अज्ञात वाहन का पता नहीं चल सका।

यूपी पुलिस के जवानों को दस दिन में मिलेगा एक अवकाश

अराजपत्रित स्तर के सभी पुलिस वालों को मिलेगी अवकाश की सुविधा
एसएचओ को तीन के बजाय मिलेगा सिर्फ तीस दिन में एक छुट्टी

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए राहत भरी खबर है। पुलिस कर्मियों को अब महीने में तीन दिन के अवकाश की सुविधा मिलेगी। राज्य के डीजीपी कार्यालय से सभी पुलिस अधीक्षकों के इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। इस आदेश से पुलिस कर्मियों पर कार्य का बोझ कम होगा और वह बेहतर ढंग से कार्य कर सकते हैं। भदोही पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार ने बताया है कि थानों में तैनात कोई भी पुलिसकर्मी महीने तीन दिन का अवकाश ले सकता है। उप निरीक्षक तक के लोग भी इस अवकाश का लाभ उठा सकते हैं। लेकिन दरोगा को केवल एक दिन का अवकाश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भदोही जनपद में प्रयोग के तौर पर व्यवस्था लागू की जा रही है। अगर यह सफल रही तो इसे और बेहतर ढंग से लागू किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस कर्मियों पर कार्य का अधिक दबाव रहता है। वह अपने

परिवार में भी वक्त नहीं दे पाते हैं जिसकी वजह से उनकी मानसिकता स्थिति बुरा प्रभाव पड़ता है। लेकिन पुलिस कर्मियों के लिए राहत भरी खबर है उन्हें महीने में तीन दिन का अवकाश दिया जाएगा। जनपद में प्रयोग के तौर पर इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। पुलिस कर्मियों पर इसका सकारात्मक प्रभाव क्या पड़ा है इसका भी अध्ययन किया जाएगा।अवकाश की वजह से क्या कार्यशैली में कोई बदलाव आया है कि नहीं। अपराध पर अधिक मजबूती से पकड़ बड़ी है या नहीं। विवेचना पर क्या प्रभाव पड़ा है इसका भी अध्ययन किया जाएगा। पुलिस विभाग में कार्यरत अराजपत्रित अधिकारियों को इसका लाभ मिलेगा। इंस्पेक्टर तक के अधिकारी इसका लाभ उठा सकते हैं। जबकि पुलिस थानों में तैनात थानाध्यक्ष को सिर्फ एक अवकाश मिलेगा। उन्होंने बताया कि डीजीपी कार्यालय से इस तरह का आदेश मिला है। भदोही जिले में जल्द ही इस आदेश की शुरूवात होने जा रही है।

कैबिनेट मंत्री के जनपद पहुँचने पर किया गया भव्य स्वागत

मंत्री ने मां विन्ध्यवासिनी देवी का किया गया दर्शन पूजन

प्रखर मीरजापुर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप आशीष पटेल जी के उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट बनने के बाद पहली बार जनपद आगमन पर जगह-जगह जन मानस के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंत्री जी प्रातः 08:30 बजे सर्किट हाउस वाराणसी से प्रस्थान करने के बाद जनपद मीरजापुर के बार्डर बरईपुर में पहुँचने पर चुनार विधानसभा के क्षेत्रवासियो के द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। तदुपरान्त नरायनपुर तिराहा परसबन्धा, शिवशंकरी धाम, कैलहट बाजार, जमुई, चुनार स्टेशन, पड़री बाजार, मोहनपुर भौरख, बथुआ बाजार पर लोगो के द्वारा माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। तदुपरान्त मा0 मंत्री जी के द्वारा अटल बिहारी बाजपेयी चैक, विन्ध्याचल पहुँचकर भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की मूर्ति पर माल्यापर्ण ि कया गया तथा विन्ध्यवासिनी देवी मन्दिर पहुँचकर विधिवत दर्शन पूजन किया गया। मा0 मंत्री जी के द्वारा अष्टभुजा निरीक्षण गृह में अल्प विराम के उपरान्त मंत्री जी द्वारा विधानसभा छानबे सहित जनपद के विभिन्न स्थलो पर भ्रमण के दौरान जन मानस के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक छानबे राहुल प्रकाश, जिला अध्यक्ष अपना दल राम लौटन बिन्द, मेघनाथ पटेल, रमाकान्त पटेल, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल सिंह पटेल,सांसद प्रतिनिधि/ सभासद नगर अहरौरा सिद्धार्थ सिंह उर्फ मिक्की सिंह अपने समर्थकों समेत, सांसद प्रतिनिधि अमूल्य सिंह पटेल, सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

फर्जी संचालित हो रहे अस्पताल को लेकर युवक ने सीएमओ को सौंपा शिकायती पत्र

प्रखर संत कबीर नगर। सरकार आम जनमानस के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर काफी संवेदनशील है. इसके लिए सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए काफी बेहतर सुविधाएं मुहैया करा रखी है ताकि किसी भी मरीज को प्राइवेट अस्पतालों का दरवाजा न खटखटाना पड़े. मोलनापुर में फर्जी संचालित हो रहे अस्पताल को लेकर युवक ने सीएमओ को सौंपा शिकायती पत्र। मामला नाथनगर के मोलनापुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात एएनएम पर एक स्थानी युवक ने अवैध तरीके से प्राइवेट अस्पताल संचालित व महिलाओं का गर्भपात करने का आरोप लगाया है। युवक ने सीएमओ को शिकायती पत्र देकर मामले की जांचकर कराकर कार्रवाई करने की मांग किया है। वही शिकायत कर्ता अशोक कुमार जायसवाल ने कहा है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक दो कमरों का मकान हैं, जिसमे अवैध तरीके से एएनएम उर्मिला सिंह की बेटी कंचन सिंह अस्पताल संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस अवैध अस्पताल में न तो कोई बोर्ड लगा है और न ही कोई डॉक्टर बैठता है। जबकि यहां अवैधानिक गर्भपात जैसे घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। शिकायतकर्ता अशोक कुमार जायसवाल ने कहा कि एएनएम ने सरकारी दवा को मरीजों देने की बजाय उसको बेच देती हैं। सरकारी पर इलाज कराने जाने वाले मरीजों को दवा बाहर से खरीदना पड़ता है। एएनम द्वारा सरकारी अस्पताल पर आए हुए प्रसव के लिए महिलाओं को प्राइवेट अस्पताल में भेज दिया जाता है। वही इस संबंध में सीएमओ से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मोलनापुर प्रार्थमिक स्वास्थ्य केंद की शिकायत मिली है जिसकी जांच करा कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं